RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

# वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -85 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, रविवार 07 जून 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

# यह लड़ाई लंबी, हम पीछे हटने वाले नहीं: जंतर-मंतर से बोले अभिजीत दीपके, धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र और युवा जुटे। इस दौरान सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार और शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लंबी है और छात्र पीछे हटने वाले नहीं हैं। नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी जैसी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हुआ यह प्रदर्शन पूरे दिन चर्चा का केंद्र बना रहा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि पिछले एक महीने से सोशल मीडिया पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार कार्रवाई करने के बजाय आंदोलन को दबाने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पोस्ट हटवाने और अकाउंट हैक कराने की कोशिश

की गई। दीपके ने मंच से कहा, 'आप हमारी पोस्ट हटा सकते हैं, लेकिन हमें इस जगह से मिटा नहीं सकते। उनके इस बयान पर प्रदर्शन स्थल पर मौजूद युवाओं ने जोरदार नारेबाजी की। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ बड़ी संख्या में युवा पेशेवर भी पहुंचे। कई प्रदर्शनकारी कॉकरोच मास्क पहने दिखाई दिए। कुछ लोग हाथों में फूल और तिरंगा लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' और 'मेक इन इंडिया नहीं, लीक इन इंडिया' जैसे नारे लगाए। कई छात्र अपने अभिभावकों के साथ भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह राजनीतिक और छात्र आंदोलनों जैसा नजर आया। अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन शुरू होने से पहले समर्थकों से साफ कहा था कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहना चाहिए। उन्होंने लोगों से किताब और तिरंगा लेकर आने की अपील की थी। साथ ही पुलिसकर्मियों को सम्मान के तौर पर फूल देने की बात भी कही। दीपके ने कहा कि यह आंदोलन प्यार और शांति के रास्ते पर चलेगा। प्रदर्शन से पहले सीजेपी ने सोशल मीडिया पर दिशा-निर्देश भी जारी किए थे, जिसमें किसी तरह के टकराव से बचने को कहा गया था। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी इस आंदोलन को समर्थन दिया है। अभिजीत दीपके ने मंच से उनका धन्यवाद किया और कहा कि वह जल्द प्रदर्शन में शामिल होंगे। वांगचुक ने कहा है कि अगर अभिजीत दीपके को गिरफ्तार किया गया तो वह छह सप्ताह का उपवास करेंगे। इससे आंदोलन को और ज्यादा चर्चा मिली है। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता जरूरी है और छात्रों की आवाज दबाई नहीं जानी चाहिए। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी थी। जंतर-मंतर, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। करीब 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। पुलिस ने सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक प्रदर्शन की अनुमति दी थी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस लगातार हालात पर नजर बनाए रही। कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया से शुरू हुआ एक युवा आंदोलन है, जो परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जवाबदेही की मांग कर रहा है। हाल के महीनों में नीट और अन्य परीक्षाओं को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। ऐसे में सीजेपी का यह आंदोलन युवाओं के बीच तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी ने इस आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के बाद साफ संकेत मिल रहे हैं कि यह आंदोलन आगे और तेज हो सकता है। अभिजीत दीपके ने कहा कि छात्र और युवा पीछे हटने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता नहीं आती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल दिल्ली का जंतर-मंतर छात्रों के गुस्से और सरकार से जवाब मांगने का बड़ा मंच बन गया है।

## भारत में घटती जन्म दर पर एलन मस्क ने जताई चिंता, रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंचा आंकड़ा

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा न्यूयॉर्क**

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भारत की घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि भारत की जन्म दर अब रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंच चुकी है, जो लंबे समय में जनसंख्या संरचना पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट को साझा करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की जन्म दर कई साल पहले ही शिक्षित वर्ग में रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे आ चुकी है। मस्क ने जिस डेटा का हवाला दिया, उसमें कहा गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 1.9 पर आ गई है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 माना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश की राजधानी दिल्ली में फर्टिलिटी रेट घटकर करीब 1.2 तक पहुंच गई है, जो कई विकसित देशों से भी कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, जीवनशैली और आर्थिक कारणों से परिवार का आकार लगातार छोटा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2025 में भी बताया गया है कि भारत की फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे गिरकर 1.9 पर आ चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, लेकिन इसके बावजूद जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो रही है। भारत की आबादी वर्तमान में 1.46 अरब से अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दशकों में घटती जन्म दर देश की आर्थिक संरचना, श्रम बाजार और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हुआ है, लेकिन असमानता, बाल विवाह और महिलाओं से जुड़ी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं।

## न्यायपालिका को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर एआईबीए सख्त, कहा- इससे घटती है संस्थानों की गरिमा

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणी पर देश की कानूनी बिरादरी में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन (एआईबीए) ने उनके बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे जिम्मेदारीहीन, भ्रामक और संस्थागत गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। एआईबीए के अध्यक्ष अदिश सी अग्रवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि राहुल गांधी का बयान देश की न्यायपालिका की साख और विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, जो अत्यंत गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका संविधान के तहत एक महत्वपूर्ण और पवित्र संस्थान है, जो कानून के शासन और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है। ऐसे में किसी भी तरह के सामान्यीकृत आरोप न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। अग्रवाल ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका ने अपनी स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के कारण दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया है। ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी जो न्यायाधीशों की निष्पक्षता पर संदेह पैदा करे, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए हानिकारक है।

## गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने, खेल मैदान विकसित करने की घोषणाः सीएम

### खारी का लाम्बा गांव में मुख्यमंत्री का प्रातः भ्रमण

### जनसंवाद और सौगातों का बना माध्यम

### युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन और

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को प्रातः भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव के बुजुर्गों जिनमें विशेषकर 107 वर्ष की कुमकुम देवी और 102 वर्ष के ओंकार तेली से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या एवं जीवन के अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री का अपनापन देखकर बुजुर्गों ने भी उनके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ग्रामीणों से

हालचाल जाने। साथ ही, बच्चों को दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित की। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन भी किए। वहीं, फूलसागर तालाब किनारे योग कर रहे युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने श्रमदान के साथ तालाब के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उन्होंने शीशम का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की। वहीं, ग्रामीणों की मांगों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने तथा खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि खारी का लाम्बा गांव में शुक्रवार रात आयोजित ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त संकाय विज्ञान (जीव विज्ञान) एवं कृषि विज्ञान प्रारंभ करने के आदेश शनिवार सुबह ग्रामीणों को मिले। घोषणाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने गांव में रात्रि विश्राम कर न केवल उनकी समस्याएं सुनीं, बल्कि उनके समाधान की दिशा में तत्काल कदम भी उठाए। मुख्यमंत्री के जनसंवाद और संवेदनशील कार्यशैली की ग्रामीणों ने जमकर सराहना की। इस दौरान प्रातः भ्रमण और जनसंवाद में उप-मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, लाला राम बैरवा, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## तीन महीने में दूसरी बार महंगा हुआ घरेलू सिलिंडर, रसोई गैस में 29 रुपये बढ़े

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के अनुसार, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। नई दरें 7 जून यानी आज से लागू हो गई है। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो जाएगी। यह पिछले तीन महीनों में दूसरी बार है जब घरेलू गैस सिलिंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को प्रति सिलिंडर 60 रुपये की वृद्धि की गई थी। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। मार्च में की गई 60 रुपये की वृद्धि के बावजूद तेल विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा था। ताजा संशोधन से पहले सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर लगभग 703 रुपये का नुकसान हो रहा था। ऐसे में बढ़ती लागत को देखते हुए कीमतों में इजाफा करना आवश्यक माना गया। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर 7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि CNG करीब 6 प्रति किलो महंगी हुई है।

## जो कोर्ट-कचहरी का खर्च नहीं उठा सकते, उनके लिए भी सुलभ हो अदालतः चीफ जस्टिस सूर्यकांत

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि ऐसा न्यायालय जो केवल उन लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है जो मुकदमेबाजी का खर्च उठाने में सक्षम हैं, वह अपने संवैधानिक कार्य को पूरा नहीं कर रहा है, बल्कि केवल उसकी औपचारिकता निभा रहा है। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका को न केवल अधिकारों का संरक्षक होना चाहिए, बल्कि 'यह इतनी सुलभ होनी चाहिए कि उसका संरक्षण वास्तविक रूप से महसूस हो।' जस्टिस सूर्यकांत 'क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन' में वाणिज्यिक विधि केंद्र द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। उन्होंने छात्रों के साथ व्यापक चर्चा की और छात्रों ने उनसे न्यायपालिका, न्याय तक पहुंच और कानूनी पेशे के भविष्य समेत विभिन्न मुद्दों पर कई सवाल पूछे। संवैधानिक लोकतंत्र में जनता के भरोसे को बनाए रखने में न्यायपालिका की भूमिका के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जनता का भरोसा किसी संस्था को यूं ही नहीं

मिल जाता, बल्कि इसे पारदर्शिता, निरंतरता और आत्म-सुधार के जरिये लगातार हासिल करना पड़ता है। चीफ जस्टिस ने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में न्यायपालिका जवाबदेही की अंतिम कड़ी है, लेकिन उसे स्वयं संविधान और उनलोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, जिनके लिए यह अस्तित्व में है। उन्होंने कहा कि इसीलिए मैंने एक समान राष्ट्रीय न्यायिक नीति पर जोर दिया है। जब अदालतों के फैसले सुसंगत होते हैं, तो लोगों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास बढ़ता है। इससे नागरिकों को यह समझने में आसानी होती है कि कानून कैसे लागू होगा और वे उसी के अनुसार अपने निर्णय ले सकते हैं। यही कानून के शासन का मूल सिद्धांत है। आधुनिक लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में पूछे जाने पर, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका का सर्वोपरि कर्तव्य यह सुनिश्चित करना है कि संविधान में निहित सिद्धांत केवल कागज पर लिखे शब्द न हों, बल्कि इस बात की गारंटी बने जो प्रत्येक नागरिक की स्वतंत्रता की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को लोगों के अधिकारों की रक्षा करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, विशेष रूप से उन लोगों की, जो हाशिये पर हैं, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार के अत्याचार या उनके अधिकारों के हनन से बचाया जा सके। अदालतों के भविष्य और न्याय तक पहुंच को प्रौद्योगिकी किस प्रकार बदल रही है, इस बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, चीफ जस्टिस ने कहा कि प्रौद्योगिकी का सबसे महत्वपूर्ण योगदान न्याय तक पहुंच का विस्तार करने में रहा है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका के समक्ष चुनौती यह है कि वह निष्पक्षता, सुलभता और सभी के लिए समान न्याय की संवैधानिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए नवाचार को अपनाए।

## मानसून की चाल से बदला मौसमः कहीं बरस रहे बादल तो कहीं तप रही धरती

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेजी से आगे बढ़ने के साथ देश का मौसम अब स्पष्ट रूप से दो अलग तस्वीरें पेश कर रहा है। दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के बड़े हिस्से मूसलाधार बारिश की चपेट में हैं, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत के कई इलाकों में गर्मी अभी भी अपना प्रभाव बनाए हुए है। हालांकि, रविवार से उत्तर भारत के पहाड़ी से लेकर मैदानी राज्यों में भारी बारिश, तेज हवाओं, गरज-चमक और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों में मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा और पूर्वोत्तर भारत के अतिरिक्त हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। इसके प्रभाव से इन राज्यों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने और कुछ जगहों पर बिजली भी गिर सकती है। केरल और माहे में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। कुछ स्थानों पर 204.5 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होने का अनुमान है। तटीय कर्नाटक तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी में भी भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 7 से 12 जून के दौरान छिटपुट वर्षा की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 11-12 जून तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और कुछ मैदानी क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना है। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर, पूर्व व पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी व पूर्वी राजस्थान में भी 12 जून तक अलग-अलग स्थानों पर छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं

## खरगे जी का अधूरा ज्ञान खतरनाक है': कांग्रेस अध्यक्ष पर भड़के जेपी नड्डा, बोले- देश का भला तथ्यों से होता है

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के स्वास्थ्य से जुड़े डेटा छिपाने के आरोपों पर जोरदार पलटवार किया है। नड्डा ने कहा है कि जनता का स्वास्थ्य राजनीतिक बयानबाजियों तक सिमटने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए यहां तक कहा है अधूरा ज्ञान बहुत खतरनाक होता है। दरअसल, पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें महिलाओं और बच्चों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। दावे में 2023-24 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के कुछ कथित आंकड़ों का हवाला दिया गया। इसी आधार पर खरगे ने कहा कि मोदी सरकार इसके आंकड़े छिपा रही है, क्योंकि इससे इसकी नाकाम उजागर हो गई है। इसी पर जेपी नड्डा ने मल्लिकार्जुन खरगे के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए उनपर पलटवार किया।

## अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के दिए निर्देश, विभाग की ओपीडी में ही दवा काउंटर की व्यवस्था हो सुनिश्चित

**वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता से बातचीत की तथा उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते हैं, जिसके चलते रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है। लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

## कंटीली तारबंदी में फंसी घायल नीलगाय को युवाओं ने बचाया, वन विभाग ने किया उपचार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

ग्राम लिली में खेत की कंटीली तारबंदी में फंसकर एक नीलगाय गंभीर रूप से घायल हो गई। तारों में उलझने से नीलगाय लहूलुहान हो गई, वहीं कुत्तों के हमले से उसकी हालत और बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय निवासी शिवम् शर्मा और आयुषी शर्मा मौके पर पहुंचे। दोनों ने तत्परता दिखाते हुए नीलगाय को कुत्तों से बचाया और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल नीलगाय का रेस्क्यू कर उपचार शुरू कराया। पशु चिकित्सकों ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया। वन विभाग के अनुसार नीलगाय के शरीर पर गहरे घाव थे, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी हालत अब स्थिर है। उसे निगरानी में रखा गया है। ग्रामीणों ने शिवम् शर्मा और आयुषी शर्मा की संवेदनशीलता एवं मानवता की सराहना करते हुए वन विभाग की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। घटना ने एक बार फिर वन्यजीवों के लिए कंटीली तारबंदी से उत्पन्न खतरों को उजागर किया है।

## महेंद्र सिंह बने कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग अलवर के जिला महासचिव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग अलवर ने भूर पहाड़ी निवासी महेंद्र सिंह को जिला महासचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए की गई है। नियुक्ति पत्र जिला अध्यक्ष जल्लाराम जाटव द्वारा जारी किया गया। पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि महेंद्र सिंह संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ अनुसूचित जाति वर्ग की समस्याओं को प्रभावी ढंग से पार्टी मंच तक पहुंचाएंगे। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। नवनियुक्त जिला महासचिव महेंद्र सिंह ने इस जिम्मेदारी के लिए भरतपुर सांसद संजना जाटव, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश अध्यक्ष (अनुसूचित जाति विभाग) एवं पूर्व राज्य मंत्री ममता भूपेश, विधायक मांगेलाल मीणा, राजेंद्र पाल गौतम तथा जिला अध्यक्ष जल्लाराम जाटव सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए पार्टी और समाज के हित में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

## तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से टेंपो पलटा, छात्रा गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कोठी नारायणपुर थाना क्षेत्र के कादोली बाईपास पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक टेंपो पलट गया, जिससे उसमें सवार छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शेरा गांव निवासी प्रीति पुत्री सोनू अपनी बहन के साथ राजगढ़ सरकारी कॉलेज में परीक्षा देने गई थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद दोनों बहनें टेंपो से घर लौट रही थीं। इसी दौरान कादोली बाईपास पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो सड़क पर पलट गया। हादसे में प्रीति के सिर में गंभीर चोट आई। उसे पहले मालाखेड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जयपुर भेज दिया। दुर्घटना के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया, जबकि ट्रक चालक भी पुलिस के पहुंचने से पहले वाहन सहित भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज किया और फरार चालकों की तलाश शुरू कर दी है। छात्रा का जयपुर में उपचार जारी है।

## परीक्षा देकर लौट रही छात्रा सड़क हादसे में घायल, जयपुर रेफर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कोठी नारायणपुर थाना क्षेत्र के कादोली बाईपास पर शनिवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर लगने से टेंपो पलट गया, जिससे उसमें सवार छात्रा को गंभीर चोटें आईं। जानकारी के अनुसार शेरा गांव निवासी प्रीति पुत्री सोनू अपनी बहन के साथ राजगढ़ के सरकारी कॉलेज में परीक्षा देने गई थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद दोनों बहनें टेंपो से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान कादोली बाईपास पर सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो पलट गया और उसमें सवार लोग घबरा गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल प्रीति को तत्काल मालाखेड़ा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सिर में गंभीर चोट होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उसे जयपुर रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। वहीं ट्रक चालक भी पुलिस के पहुंचने से पहले वाहन सहित भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार वाहन चालकों की तलाश शुरू कर दी है। जयपुर में छात्रा का उपचार जारी है।

## सूने मकान से सोने-चांदी के जेवरात चोरी, पुलिस जांच में जुटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र स्थित शिव कॉलोनी में सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना का पता तब चला जब परिवार दो दिन बाद घर लौटा। पीड़ित साजिद खान ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह 3 जून को पत्नी के साथ बच्चे के इलाज के लिए ककराली गांव स्थित ससुराल गए थे। 5 जून की दोपहर जब वापस घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला सही मिला, लेकिन अंदर कमरों और संदूक के ताले टूटे हुए थे। चोर संदूक में रखी करीब दो तोले का सोने का गुलीबंद, एक तोले का सोने का ताबीज तथा लगभग 700 ग्राम चांदी चोरी कर ले गए। इसके अलावा घर में रखे नाइक कंपनी के जूते भी गायब मिले। परिजनों ने घर का सामान बिखरा देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। पुलिस का मानना है कि मकान सूना होने की जानकारी मिलने पर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भी चिंता का माहौल है।

## मोहम्मदपुर मार्ग पर जलभराव और कीचड़ से ग्रामीणों में आक्रोश, तीन दिन में समाधान नहीं होने पर चक्काजाम की चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

नौगांवा कस्बे से मोहम्मदपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर लंबे समय से बनी हुई जलभराव और कीचड़ की समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश शनिवार को खुलकर सामने आया। मोहम्मदपुर गांव के सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर एकत्र हुए और प्रशासन व नगरपालिका के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि मार्ग के किनारे स्थित कुछ मकानों से लगातार पानी सड़क पर छोड़ा जा रहा है। उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर स्थायी रूप से कीचड़ और गंदा पानी जमा रहता है। इससे आमजन, वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण रवि कपूर ने बताया कि नौगांवा-मोहम्मदपुर मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं।

# महिला अपराधों में अलवर प्रदेश में सबसे आगे, एनसीआरबी रिपोर्ट 2024 ने बढ़ाई चिंता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट में अलवर जिला महिला अपराधों के मामलों में प्रदेश में सबसे ऊपर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराध, दुष्कर्म, छेड़छाड़, पॉक्सो और गुमशुदगी के मामलों में अलवर के आंकड़े सबसे अधिक सामने आए हैं। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष सरकार पर महिला सुरक्षा को लेकर निशाना साध रहा है।

### महिला अपराध के 1717 मामले दर्ज

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में अलवर जिले में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 1717 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या राजस्थान के सभी जिलों में सबसे अधिक है। महिला अपराध के मामलों में भरतपुर 1556 मामलों के साथ दूसरे और उदयपुर 1084 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। लगातार बढ़ते मामलों ने अलवर जिले की छवि पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

### कुल अपराधों में भी दूसरा स्थान

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में अलवर जिले में कुल 8427 मुकदमे दर्ज हुए। कुल अपराध के मामलों में अलवर राजस्थान में दूसरे स्थान पर रहा। इससे अधिक मुकदमे केवल जयपुर पूर्व क्षेत्र में दर्ज हुए, जहां 8675 मामले सामने आए। कुल अपराध और महिला अपराध दोनों श्रेणियों में अलवर का शीर्ष जिलों में शामिल होना प्रशासन के लिए चुनौती माना जा रहा है।

### दुष्कर्म के मामलों में सबसे आगे

महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराधों की बात करें तो दुष्कर्म के मामलों में भी अलवर प्रदेश में पहले स्थान पर है। वर्ष 2024 में जिले में दुष्कर्म के 242 मामले दर्ज किए गए, जो राजस्थान में सर्वाधिक हैं। इसके अलावा दुष्कर्म के प्रयास के 47 मामले भी सामने आए। इस श्रेणी में भरतपुर 54 मामलों के साथ अलवर से आगे रहा, लेकिन कुल दुष्कर्म मामलों में अलवर सबसे ऊपर है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दुष्कर्म के मामलों में बढ़ोतरी न केवल महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि समाज में बढ़ती असुरक्षा की भावना को भी दर्शाती है।

### छेड़छाड़ के मामलों में भी चिंताजनक स्थिति

महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ के मामलों में भी अलवर ने प्रदेश के बड़े शहरों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में जिले में छेड़छाड़ के 745 मामले दर्ज हुए, जो राजस्थान में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सार्वजनिक स्थानों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अभी भी गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं।

### पॉक्सो और गुमशुदगी के मामलों ने बढ़ाई चिंता

एनसीआरबी रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों और महिलाओं तथा बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों में भी अलवर प्रदेश के सबसे प्रभावित जिलों में शामिल है। बालिकाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

### रिपोर्ट पर तेज हुई सियासत

महिला अपराधों के आंकड़े सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति में भी हलचल बढ़ गई है। कांग्रेस नेताओं ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए राज्य सरकार पर महिला सुरक्षा के मोर्चे पर विफल रहने का आरोप लगाया है। विपक्ष का कहना है कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं। वहीं राज्य सरकार का कहना है कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में कुल अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में कमी आई है तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

### महिला सुरक्षा बनी बड़ी चुनौती

एनसीआरबी की रिपोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि अलवर जिले में महिला सुरक्षा की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। दुष्कर्म, छेड़छाड़, पॉक्सो और गुमशुदगी जैसे मामलों में प्रदेश में शीर्ष पर होना प्रशासन और समाज दोनों के लिए चेतावनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, महिला सुरक्षा के प्रभावी उपाय और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई से ही इस चुनौती का समाधान संभव है। अलवर के बढ़ते आंकड़े इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

## पुरुषोत्तम मास में विष्णु सहस्त्रनाम पाठ एवं तुलसी अर्चना का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर राजस्थान पुजारी महासंघ, अलवर के तत्वावधान में मनु मार्ग स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में विष्णु सहस्त्रनाम पाठ, तुलसी अर्चना एवं श्री सत्यनारायण कथा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 31 दंपत्तियों सहित शहर के विभिन्न मंदिरों के पुजारियों ने विधि-विधान से भगवान शालिग्राम का पूजन एवं तुलसी अर्पण किया।

सामूहिक विष्णु सहस्त्रनाम पाठ से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की और धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन योगानंद शर्मा के सान्निध्य एवं राजेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ, जबकि वैदिक अनुष्ठान केशव शास्त्री के सान्निध्य में कराए गए। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मोनू शर्मा, महेशचंद्र शर्मा, लोकेश शर्मा, राजेश शर्मा, मुकेश शर्मा, दिनेश शर्मा, सतीशचंद्र शर्मा, अनिल शर्मा, रवि शर्मा, रामावतार शर्मा, रघुवीर स्वामी, देवराज शर्मा एवं कृष्ण प्रताप शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन पर भगवान नारायण से अलवर में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## निर्माणाधीन मकान की पट्टी टूटने से मजदूर गंभीर घायल, अलवर रेफर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गोविंदगढ़

कस्बे के पलानखेड़ा रोड स्थित एक निर्माणाधीन मकान में शनिवार को हुए हादसे में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। मकान की पट्टी (स्लैब) अचानक टूटने से मजदूर ऊंचाई से नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। जानकारी के अनुसार डीग जिले के जालूकी क्षेत्र के पूठका निवासी 35 वर्षीय सुरेश पुत्र चरनी निर्माणाधीन मकान में मजदूरी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक मकान की पट्टी टूट गई और वह संतुलन खोकर नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने घायल सुरेश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोविंदगढ़ पहुंचाया। वहां इयूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने बताया कि सुरेश को गंभीर चोटें आई हैं, जिसके चलते उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल अलवर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद क्षेत्र

में निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। घायल मजदूर का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

## बाबा शिवस्वरूप गोशाला में टीएमआर मिक्सर मशीन का शुभारंभ, गोवंश को मिलेगा संतुलित आहार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

नाघोड़ी-सिलारपुर स्थित बाबा शिवस्वरूप गोशाला में शनिवार को गोवंश के लिए आधुनिक टीएमआर (टोटल मिक्स्ड रेशन) मिक्सर मशीन का शुभारंभ किया गया। मशीन का विधिवत पूजन एवं लोकार्पण श्रीश्री 108 शीतलनाथ महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य गोवंश को संतुलित, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण आहार उपलब्ध कराना है। गोशाला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि अब तक दलिया, तुड़ा, खल तथा अन्य खाद्य सामग्री को हाथों से मिलाकर गोवंश को खिलाया जाता था। नई टीएमआर मिक्सर मशीन के माध्यम से चारा, दलिया, खल, सब्जियां, रोटियां, गुड़ एवं अन्य पोषक तत्वों को एक समान मिश्रित कर पशुओं को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे आहार में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहेगा और सभी गोवंश को समान गुणवत्ता वाला भोजन मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था से कमजोर एवं स्वस्थ सभी पशुओं को एक समान पौष्टिक आहार मिलेगा, जिससे उनके स्वास्थ्य, पाचन क्षमता और उत्पादन क्षमता में सुधार होगा। साथ ही गोशाला में आहार प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बन सकेगा। वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि आधुनिक तकनीक से लैस यह मशीन पंजाब के भादसौ (पटियाला) से करीब 7 लाख रुपये की लागत से मंगवाई गई है। गोशाला प्रबंधन का मानना है कि मशीन के उपयोग से समय की बचत होने के साथ-साथ चारे की गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहेगी।

# अलवर में मिलावट का बड़ा खुलासा: 1900 से अधिक नमूनों में 500 से ज्यादा फेल, मिठाई से लेकर मसालों तक में गंभीर गड़बड़ी

### मिलावट से हिला अलवर: खाद्य सुरक्षा पर गंभीर सवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता सामने आई है। आम जनता द्वारा रोजमर्रा में उपयोग किए जाने वाले दूध, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में बड़े पैमाने पर मिलावट का खुलासा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले ढाई वर्षों में लिए गए 1900 से अधिक खाद्य नमूनों में से 500 से ज्यादा नमूने जांच में फेल पाए गए हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है बल्कि खाद्य सुरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

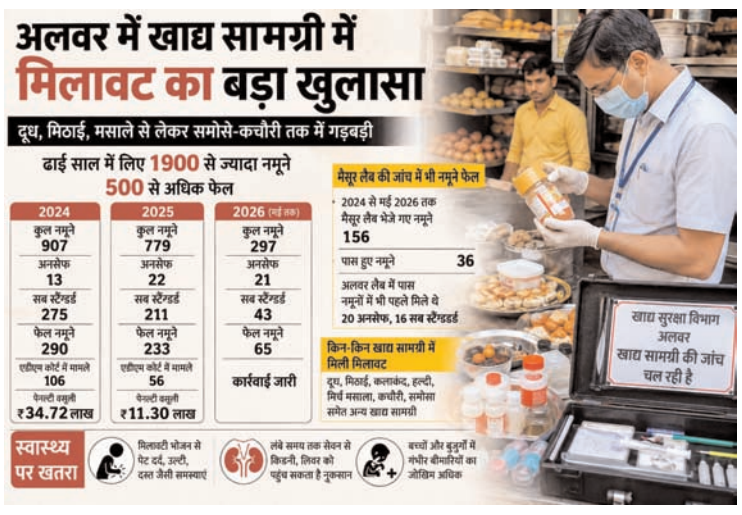


### 2024 में 290 नमूने फेल, लाखों का जुर्माना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में कुल 907 नमूनों की जांच की गई। इनमें 13 नमूने अनसेफ और 275 सब स्टैण्डर्ड पाए गए, जिससे कुल 290 नमूने फेल हुए। इन मामलों में 106 प्रकरण एडीएम कोर्ट में पेश किए गए, जहां दोषियों पर 34 लाख 72 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

### 2025 में भी नहीं थमी मिलावट, 233 नमूने फेल

वर्ष 2025 में 779 नमूनों की जांच की गई, जिनमें 22 अनसेफ और 211 सब स्टैण्डर्ड पाए गए। कुल 233 नमूने फेल घोषित किए गए। इनमें से 56 मामलों को अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहां दोषियों से 11 लाख 30 हजार रुपये की पेनल्टी वसूली गई। इसके बावजूद मिलावटखोरी पर पूरी तरह रोक नहीं लग सकी।

### 2026 में भी जारी है मिलावट का खेल

वर्ष 2026 के मई माह तक 297 नमूने जांच के लिए लिए गए। इनमें 21 अनसेफ और 43 सब स्टैण्डर्ड पाए गए। इस प्रकार कुल 65 नमूने फेल पाए गए। यह आंकड़े बताते हैं कि मिलावट की समस्या लगातार बनी हुई है और उस पर नियंत्रण पूरी तरह नहीं हो सका है।

### मैसूर लैब में भी कई नमूने फेल

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 2024 से मई 2026 तक 156 नमूने मैसूर स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए, जिनमें से केवल 36 नमूने ही पास हो सके। शेष नमूने पहले ही जिला स्तर पर अनसेफ या सब स्टैण्डर्ड पाए गए थे। यह स्थिति जांच प्रणाली की विश्वसनीयता और खाद्य गुणवत्ता पर भी सवाल उठाती है।

### दूध से लेकर समोसे तक में मिलावट

जांच में सामने आया है कि दूध, मिठाई, कलाकंद, हल्दी, मिर्च मसाला, कचौरी, समोसा सहित कई खाद्य पदार्थों में मिलावट या गुणवत्ता में कमी पाई गई है। इससे स्पष्ट है कि मिलावट का यह नेटवर्क व्यापक स्तर पर फैला हुआ है।

### जनता में बढ़ी चिंता, स्वास्थ्य पर खतरा

लगातार सामने आ रही मिलावट की घटनाओं से आम जनता में चिंता बढ़ गई है। लोग अब यह सवाल उठा रहे हैं कि बाजार से खरीदे जा रहे खाद्य पदार्थ कितने सुरक्षित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

### प्रशासनिक कार्रवाई सीमित असरदार

हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार छापेमारी और नमूना जांच की जा रही है, लेकिन मिलावटखोरी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। जुर्माना और कानूनी कार्रवाई के बावजूद यह कारोबार पूरी तरह खत्म नहीं हो सका है, जिससे सख्त निगरानी की आवश्यकता और बढ़ गई है।

यह पूरा मामला खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करता है। यदि समय रहते सख्त और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है और आम जनता के स्वास्थ्य पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत विकास परिषद का हस्ताक्षर अभियान, 300 लोगों ने लिया संरक्षण का संकल्प

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद, भिवाड़ी शाखा द्वारा शुक्रवार शाम जैनेसिस मॉल में 'पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने, वृक्षारोपण करने तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इसके बाद परिषद के संस्थापक सदस्य राम प्रकाश गर्ग ने हस्ताक्षर अभियान पर पहला हस्ताक्षर कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। अभियान रात 9 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान परिषद की ओर से लोगों को कपड़े के थैले भी वितरित किए गए, ताकि प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संदेश समाज तक पहुंचाया जा सके। शाखा सचिव डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग छोड़कर कपड़े के थैले अपनाने की अपील की। वहीं, डॉ. नवनीता शर्मा ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष विमल पंडित, सचिव डॉ. मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष हर्ष कुमार माहेश्वरी, विवेक जिंदल, जे.एस. सौंधी, मुकेश शर्मा, अनूप केडिया सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। महिला विंग की ओर से सरिता श्रीवास्तव, निशी पंडित, रेनुका सौंधी और डॉ. नवनीता शर्मा ने भी सहभागिता निभाई। अंत में सभी ने भिवाड़ी को हरित एवं स्वच्छ बनाने के संकल्प को दोहराया।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर गोपीनाथ हॉस्पिटल की हरित पहल, फलदार पौधों का किया वृक्षारोपण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोपीनाथ हॉस्पिटल द्वारा विकसित हरित वाटिका में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के डॉ. नीरज एवं उनकी टीम ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान चीकू, किन्नू, सहजन सहित कई उपयोगी एवं पर्यावरण के लिए लाभकारी फलों के वृक्ष लगाए गए। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य हरित वातावरण को बढ़ावा देना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना रहा। डॉ. नीरज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम की विशेष बात महिलाओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। बड़ी संख्या में महिलाओं ने वृक्षारोपण में सहयोग करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। प्रतिभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल और उन्हें संरक्षित रखने का भी संकल्प लिया। गोपीनाथ हॉस्पिटल की ओर से बताया गया कि भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के अभियान आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और प्रकृति के संरक्षण में योगदान देने का संदेश दिया।

## टॉप-15 मानसून डेस्टिनेशंस में उदयपुर तीसरे स्थान पर, पर्यटन कारोबार को मिली नई उड़ान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

मानसून की दस्तक से पहले झीलों की नगरी उदयपुर के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। देश के प्रमुख वर्षा पर्यटन स्थलों की नई रैंकिंग में उदयपुर ने तीसरा स्थान हासिल कर अपनी मजबूत पर्यटन पहचान को एक बार फिर साबित किया है। इस उपलब्धि से न केवल शहर का गौरव बढ़ा है, बल्कि आगामी मानसून सीजन में पर्यटन उद्योग से जुड़े हजारों लोगों को बेहतर कारोबार की उम्मीद भी जगी है। पर्यटन विभाग के अनुसार ट्रैवल पोर्टल 'टिकट्स टू ट्रिप' द्वारा जारी वर्ष 2026 के भारत के टॉप-15 मानसून डेस्टिनेशंस की सूची में उदयपुर को तीसरा स्थान मिला है। मानसून के दौरान शहर का प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर पहुंच जाता है, जिसके चलते देशभर से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू को भी इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। बारिश के मौसम में यहां की हरियाली, प्राकृतिक झरने और नक्की झील पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण बने रहते हैं। मानसून के दौरान यहां का मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य सैलानियों को विशेष रूप से लुभाता है। पर्यटन उपनिदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि बारिश शुरू होते ही अरावली की पहाड़ियां हरियाली से आच्छादित हो जाती हैं और शहर की प्रसिद्ध झीलों का जलस्तर बढ़ने लगता है। बादलों से घिरा आसमान, झीलों के किनारे का शांत वातावरण और पहाड़ियों के बीच बसे ऐतिहासिक महल पर्यटकों को अनूठा अनुभव प्रदान करते हैं।विशेष रूप से सज्जनगढ़ पैलेस से दिखाई देने वाला मानसूनी नजारा पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र माना जाता है। बारिश के मौसम में यहां से बादलों और झीलों का अद्भुत संगम दिखाई देता है, जो शहर की पहचान बन चुका है। मानसून सीजन में उदयपुर में नौकायन, हेरिटेज वॉक, प्राकृतिक स्थलों की सैर और ग्रामीण पर्यटन जैसी गतिविधियां पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। झीलों के बीच नौका विहार और ऐतिहासिक धरोहरों के बीच बिताए गए पल पर्यटकों को यादगार अनुभव देते हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यही कारण है कि राजस्थान ही नहीं, बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्यप्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक मानसून के दौरान उदयपुर का रुख करते हैं। गर्मी के सीजन में अपेक्षित संख्या में पर्यटक नहीं पहुंचने से होटल, ट्रैवल एजेंसियों, गाइड और स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ था। हालांकि अब मानसून की अच्छी संभावनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस पहचान के बाद पर्यटन क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। व्यवसायियों का कहना है कि यदि समय पर अच्छी बारिश होती है तो इस बार मानसून सीजन पर्यटन उद्योग के लिए राहत लेकर आएगा। इससे होटल व्यवसाय, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय बाजारों में भी आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

# जिला कलेक्टर के निर्देश पर जिलेभर के स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण, अनुपस्थित कार्मिकों पर कार्रवाई के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलक्टर के निर्देशानुसार शनिवार को जिले के विभिन्न उपखंड अधिकारियों द्वारा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, दवा उपलब्धता एवं कार्मिकों की उपस्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्वास्थ्य केंद्रों पर व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पाई गई, जिस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। जिला कलेक्टर ने अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

किशनगढ़बास में उपखंड अधिकारी सत्यवीर सिंह एवं तहसीलदार अभिषेक यादव द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक चिकित्सक डॉ. सुरेश पाटोदिया अनुपस्थित पाए गए, जिनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई तथा भवन की दीवारों में सीलन, उखड़ा हुआ प्लास्टर एवं टूटी हुई टाइलें मिलीं। उन्होंने आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा भवन की मरम्मत संबंधी निर्देश दिए। साथ ही आरएल ड्रिप से मरीजों की तबीयत बिगड़ने संबंधी समाचार के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर संबंधित संदिग्ध बैच के उपयोग पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मरीजों से संवाद कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का भी फीडबैक लिया गया।

मुंडावर में उपखंड अधिकारी द्वारा सीएचसी का निरीक्षण कर उपस्थिति रजिस्टर, ओपीडी, लेबर रूम, आपातकालीन कक्ष, एक्स-रे कक्ष, भवन की स्थिति, दवाइयां की उपलब्धता, साफ-सफाई एवं बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण व्यवस्था का अवलोकन किया गया। चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर उपस्थित रहने, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

टपूकड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी कृष्ण यादव ने भवन की स्थिति संतोषजनक पाई। अस्पताल परिसर एवं लेबर रूम में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर उन्होंने साफ सफाई के निर्देश। महिला वार्ड एवं सामान्य वार्ड में बेडशीट नहीं मिलने पर संबंधित चिकित्सक को तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आपातकालीन द्वार के सामने पार्किंग व्यवस्था में सुधार के भी निर्देश जारी किए गए।

तिजारा उपखंड अधिकारी संजीव कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हिंगवाहेड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित मिले, हालांकि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पाई गई, जिस पर संबंधित चिकित्सक को आवश्यक निर्देश दिए गए।

वहीं कोटकासिम में उपखंड अधिकारी रेखा यादव द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तीन चिकित्सक एवं दो नर्सिंगकर्मी अनुपस्थित पाए गए। इस पर उन्होंने संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा चिकित्सा संस्थानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, उपकरणों के रखरखाव एवं मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

## बाबा मोहनराम मेले में चंदे के 5.76 लाख रुपए चोरी, पुलिस जांच में जुटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

मिलकपुर गुर्जर स्थित बाबा मोहनराम मंदिर में आयोजित होली मेले के दौरान चंदे की राशि से भरा बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। मंदिर के सेवादार की शिकायत पर भिवाड़ी थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी निवासी एवं मंदिर सेवादार सत्यनारायण शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 मार्च को बाबा मोहनराम मंदिर की काली खोली पर होली मेले के दौरान श्रद्धालुओं से प्राप्त चंदे की रसीदें काटी जा रही थीं। इस दौरान उनके साथ योगेश चंद शर्मा भी मौजूद थे। सत्यनारायण शर्मा के अनुसार, जब योगेश चंद शर्मा भोजन लेने के लिए गए तो उन्होंने चंदे की नकदी से भरा बैग पास में रखी कुर्सी पर रख दिया। बैग में कुल 5 लाख 76 हजार 661 रुपए की नकदी थी। मेले में भारी भीड़ होने के कारण वे लगातार रसीदें काटने के कार्य में व्यस्त हो गए। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर कुर्सी पर रखा नकदी से भरा बैग चोरी कर लिया और फरार हो गया।

घटना का पता चलने पर आसपास काफी तलाश की गई, लेकिन चोरी हुआ बैग और आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद सेवादार ने भिवाड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल हवा सिंह को सौंपी गई है। पुलिस मेले और मंदिर परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा अज्ञात आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

## गौ सम्मान आवाहन अभियान को लेकर रणनीति बनी, 27 जुलाई के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

आलमपुर मंदिर परिसर में शनिवार को 'गौ सम्मान आवाहन अभियान' के आगामी चरण को लेकर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक श्री महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के सानिध्य में संपन्न हुई, जिसमें 27 जुलाई को प्रस्तावित अभियान के अगले चरण की रूपरेखा पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक में गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं गौ सम्मान से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए जनजागरण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार की गई। वक्ताओं ने अभियान को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। अपने संबोधन में श्री महंत योगी आदित्यनाथ महाराज ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति, धर्म और सनातन परंपरा की मूल भावना से जुड़ी हुई है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से गौ संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए इसे सामाजिक जागरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। बैठक में महंत जस्सू महाराज, विजय नाथ जी, योगी आर्मी के अध्यक्ष आशुतोष त्यागी, उपाध्यक्ष डॉ. ग्याशी राम गुप्ता, कोषाध्यक्ष मूल सिंह शेखावत तथा सुभाष भगत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक तैयारियों और जनसहभागिता बढ़ाने पर अपने सुझाव रखे। बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों ने 27 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को ऐतिहासिक और जनभागीदारी से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया। साथ ही समाज में गौ माता के सम्मान, संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया।

## रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निशा शेखावत का टपूकड़ा आगमन, विकास कार्यों का किया लोकार्पण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा,

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निशा शेखावत का शनिवार को टपूकड़ा आगमन हुआ, जहां रोटरी क्लब टपूकड़ा द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बाबा नरसिंह दास आश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्लब द्वारा जनहित एवं समाज कल्याण के लिए किए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बाबा नरसिंह दास आश्रम में बरामदा फ्लोरिंग कार्य तथा श्मशान घाट में टिनशेड निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों के विकास को बढ़ावा देना है। अपने संबोधन में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निशा शेखावत ने रोटरी क्लब टपूकड़ा द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को पहुंचाना है। उन्होंने क्लब सदस्यों को भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ जनकल्याणकारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बाबा नरसिंह दास आश्रम एवं जोड़ मंदिर समिति के संरक्षक नरेंद्र गर्ग, अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, सचिव मनोज गोयल तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी क्लब टपूकड़ा की ओर से अध्यक्ष आकाश गोयल, सचिव अमर सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष सुमित गोयल, राजू गोयल, डॉ. सौरभ अग्रवाल, सीए भुनेश अग्रवाल, भुवनेश गर्ग, डॉ. गौरव गर्ग, नितेश गोयल, मनीष प्रजापत सहित अनेक रोटेरियन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित जनों ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों की सराहना करते हुए क्लब के सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। अंत में रोटरी क्लब टपूकड़ा ने भविष्य में भी सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

## नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर 14 जून को तिजारा में, हृदय व चर्म रोग विशेषज्ञ देंगे सेवाएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 जून 2026 (रविवार) को तिजारा के सैनी स्कूल परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में हृदय रोग एवं चर्म रोग से संबंधित समस्याओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार शिविर का समय प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एस. सेनी तथा चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक सैनी मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान करेंगे। डॉ. बी.एस. सैनी पूर्व में गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में सेवाएं दे चुके हैं, जबकि डॉ. दीपक सेनी जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शिविर में हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, सीने में दर्द, त्वचा संबंधी रोगों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ सलाह का लाभ मिलेगा। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अधिकाधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है। साथ ही मरीजों से अपने पुराने चिकित्सा रिकॉर्ड एवं जांच रिपोर्ट साथ लाने का आग्रह किया गया है, ताकि चिकित्सकों को उचित परामर्श देने में सुविधा हो सके।

## राजीव गांधी एनक्लेव सोसाइटी में 12 अवैध पानी कनेक्शन काटे, एफआईआर की तैयारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

जलदाय विभाग ने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजीव गांधी एनक्लेव सोसाइटी में बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 अवैध पानी के कनेक्शन काट दिए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ अब एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। यह कार्रवाई कनिष्ठ अभियंता रेणु चौधरी के नेतृत्व में विभागीय टीम द्वारा की गई। अभियान के दौरान विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर अवैध जल कनेक्शनों की पहचान की और मौके पर ही उन्हें विच्छेदित कर दिया। कार्रवाई के दौरान पंप चालक सत्यवीर, राजेश और राशिद सहित अन्य विभागीय कर्मचारी भी मौजूद रहे।कनिष्ठ अभियंता रेणु चौधरी ने बताया कि जलदाय विभाग अवैध कनेक्शनों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पानी चोरी और अवैध कनेक्शन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। विभाग ने क्षेत्रवासियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि भविष्य में यदि किसी के यहां अवैध जल कनेक्शन पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे केवल वैध प्रक्रिया अपनाकर ही पानी का कनेक्शन लें और किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचें। जलदाय विभाग के अनुसार, अवैध कनेक्शनों के कारण विभाग को राजस्व का नुकसान होता है तथा नियमित उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिलेभर में समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं। विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी अवैध कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## खारी का लाम्बा गांव में मुख्यमंत्री का प्रातः भ्रमण, जनसंवाद और सौगातों का बना माध्यम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को प्रातः भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव के बुजुर्गों जिनमें विशेषकर 107 वर्ष की कुमकुम देवी और 102 वर्ष के ओंकार तेली से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या एवं जीवन के अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री का अपनापन देखकर बुजुर्गों ने भी उनके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ग्रामीणों से हालचाल जाने। साथ ही, बच्चों को दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित की। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन भी किए। वहीं, फूल सागर तालाब किनारे योग कर रहे युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने श्रमदान के साथ तालाब के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उन्होंने शीशम का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की।

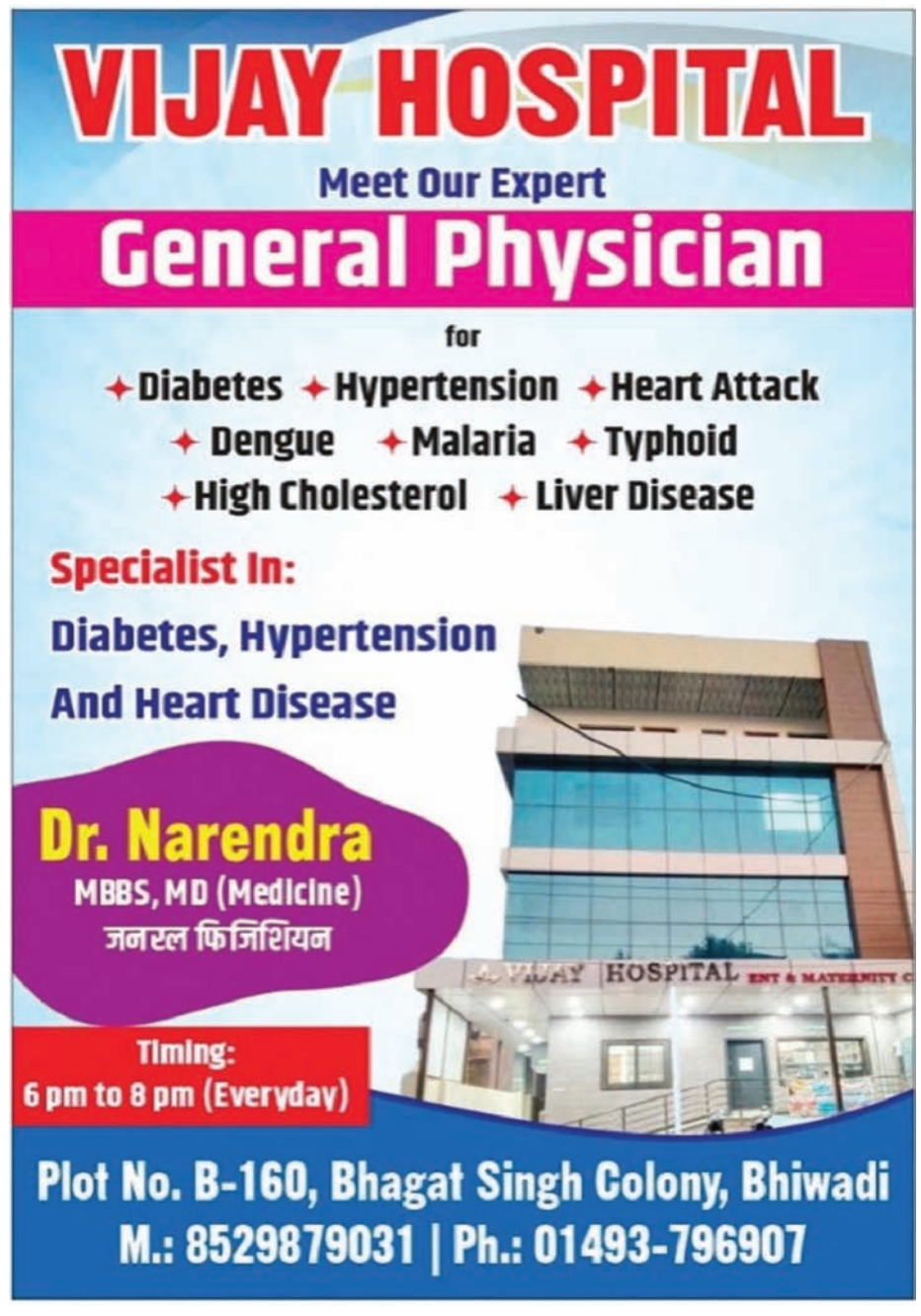

## सम्पादकीय

# अग्निकांडः मौत के बाद जांच, जांच के बाद खामोशी

किसी भी हादसे का सबसे जरूरी सबक यह होना चाहिए कि भविष्य में ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन इमारतों में आग लगने और उसमें लोगों की जान जाने की घटनाओं से कोई सबक नहीं लेने की लापरवाही एक सामान्य चलन बन चुकी है। राजधानी दिल्ली में एक इमारत में आग लगने की वजह से इक्कीस लोगों की जान चली गई। उसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में गुरुवार को भीषण आग लग गई, जिसमें पांच लोगों के मरने की खबरें आईं। इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवस्थागत कमियों की कलई खोल दी है। आमतौर पर किसी भी अस्पताल में मरीज इस उम्मीद में इलाज कराने जाते हैं, ताकि उनकी जिंदगी बच सके। मगर जब वहां अति सुरक्षित माने जाने वाले कक्ष में ही उनकी जान पर बन आए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अस्पतालों में सुरक्षा नियमों की जिस तरह अनदेखी हो रही है, उससे स्पष्ट है कि चिकित्सा एक ऐसे व्यवसाय का रूप ले चुकी है, जहां शायद जिंदगी की कोई कीमत नहीं। पिछले कुछ वर्षों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों में बार-बार गंभीर खामियां पाई गई हैं। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मुजफ्फरपुर में हुए हादसे ने साफ कर दिया है कि अस्पताल में किस हद तक घोर लापरवाही बरती जा रही थी। मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल बनाया गया है। अब जांच की रिपोर्ट कब आएगी, उस पर क्या कार्रवाई होगी, यह आम लोगों को शायद ही पता चले। मगर इस घटना में मारे गए मरीज कभी घर नहीं लौटेंगे। बेहतर होता कि स्वास्थ्य विभाग संबंधित अस्पताल से तत्काल जवाब-तलब करता कि मरीजों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन निकास की व्यवस्था के साथ अग्निरोधक उपाय उसने पहले क्यों नहीं किए। हैरत की बात है कि अस्पताल परिसरों में शॉर्ट सर्किट जैसी समस्या से निपटने को लेकर एहतियात बरतना और बुनियादी इंतजाम करना जरूरी नहीं समझा जाता है। जांच और राहत के आश्वासनों से इतर सवाल यह है कि इस तरह की व्यापक लापरवाही के लिए प्रशासन की अनदेखी की जवाबदेही कब तय की जाएगी! मालवीय नगर के होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। एक बार फिर इस घटना ने राजधानी दिल्ली के लचर नागरिक प्रशासन और सुरक्षा इंतजामों की पोल एक बार फिर खोल दी है। दक्षिण दिल्ली के हौज रानी (मालवीय नगर) इलाके में स्थित 'फ्लरिश स्टे बीएंडबी' (होटल में बुधवार, 3 जून 2026 की सुबह लगी इस भीषण आग ने 21 जिंदगियां निगल लीं। मरने वालों में 18 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं जो दिल्ली के बड़े अस्पतालों में इलाज कराने आए थे। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरी राष्ट्रीय राजधानी को झकझोर कर रख दिया है। यह सिर्फ एक हादसा नहीं है, बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था, प्रशासनिक सुस्ती और नियमों को ताक पर रखकर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ करने का एक और खूनी सबूत है।

# सस्ती साबित की जाती नागरिकों की जान

आशा जैन
वरिष्ठ पत्रकार

*उक्त किस्सा बताता है कि यूरोप-अमेरिका में इंसान का जीवन कितना अनमोल है और सिर्फ एक ज़िंदगी बचाने के लिए कैसे एजेंसियां ज़मीन-आकाश एक कर देती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में मौत सिर्फ एक आंकड़ा है। दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में आग से 21 लोगों की मौत ने एक बार फिर यह बात साबित की। प्रारंभिक जांच में फिर वही लापरवाहियां सामने आई हैं, जो लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आती हैं। उदाहरण के लिए होटल के पास सिर्फ छह कमरे बनाने की अनुमति थी, लेकिन 25 कमरे बनाए गए। होटल के पास अनिवार्य फायर एनओसी तक नहीं थी। इमारत में प्रवेश और निकास का सिर्फ एक दरवाजा था और कोई आपातकालीन द्वार नहीं था। इस हादसे में कई विदेशी भी मारे गए हैं।*

*विडंबना यह कि किसी हादसे से सीख नहीं ली जाती। बीते साल दिसंबर में गोवा नाइटक्लब में अग्निकांड हुआ, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। वह हादसा हाल के वर्षों का सबसे बड़ा 'सिस्टम फेलियर' केस माना जाता है। इस अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच में सामने आया था कि क्लब अवैध निर्माण पर चल रहा था, फायर एनओसी नहीं था, पर्याप्त आपातकालीन निकासी द्वार नहीं थे, स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं था और फायर अलार्म सिस्टम तक नहीं था। रिपोर्ट के ये निष्कर्ष इस तरह के लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आते हैं, जो साफ तौर पर नियामकीय विफलता दिखाते हैं। आग की घटनाओं के संदर्भ में तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारत में लोग आग से कम, आग लगने से पहले की गई अनदेखी से ज्यादा मरते हैं। भारत में कई मामलों में मौत यहां कोई असाधारण घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था का एक नियमित परिणाम है। दिल्ली के जनकपुरी में एक युवक सड़क पर खोदे गए गड्ढे में गिर जाता है। घंटों तक मदद नहीं मिलती और उसकी मौत हो जाती है। नोएडा में एक इंजीनियर की कार खुले नाले में जा गिरती है। उसकी मौत के बाद सुरक्षा प्रबंधों तथा प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठते हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर की एक इमारत के बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्र डूबकर मर जाते हैं। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण हैं, लेकिन प्रशासनिक विफलता की कहानी वही रहती है।*

साल 2009 की बात है। ब्रिटेन के आक्सफोर्ड में 16 साल के एक स्कूली छात्र ने आत्महत्या की कोशिश से कुछ मिनट पहले फेसबुक पर लिखा, 'मैं अब बहुत दूर जा रहा हूं।' अमेरिका में बैठी उसकी फेसबुक मित्र ने इस संदेश को पढ़ा तो उसने तत्काल अपनी मां को बताया। मां ने आनन-फानन में मैरीलैंड पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने व्हाइट हाउस के स्पेशल एजेंट से संपर्क साधा और उसने फौरन वाशिंगटन में ब्रिटिश दूतावास के अधिकारियों से। उन्होंने ब्रिटेन की मेट्रोपालिटन पुलिस से संपर्क किया और चंद मिनट बाद छात्र के घर का पता लगाकर पुलिस उसके घर जा पहुंची। जब तक वह घर के भीतर दाखिल हुई, छात्र नींद की बहुत अधिक गोलियां खा चुका था। वह बेहोश पड़ा था। पुलिसकर्मियों ने कुछ ही पलों में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी जान बच गई।

उक्त किस्सा बताता है कि यूरोप-अमेरिका में इंसान का जीवन कितना अनमोल है और सिर्फ एक ज़िंदगी बचाने के लिए कैसे एजेंसियां ज़मीन-आकाश एक कर देती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में मौत सिर्फ एक आंकड़ा है। दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में आग से 21 लोगों की मौत ने एक बार फिर यह बात साबित की। प्रारंभिक जांच में फिर वही लापरवाहियां सामने आई हैं, जो लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आती हैं। उदाहरण के लिए होटल के पास सिर्फ छह कमरे बनाने की अनुमति थी, लेकिन 25 कमरे बनाए गए। होटल के पास अनिवार्य फायर एनओसी तक नहीं थी। इमारत में प्रवेश और निकास का सिर्फ एक दरवाजा था और कोई आपातकालीन द्वार नहीं था। इस हादसे में कई विदेशी भी मारे गए हैं।

विडंबना यह कि किसी हादसे से सीख नहीं ली जाती। बीते साल दिसंबर में गोवा नाइटक्लब में अग्निकांड हुआ, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। वह हादसा हाल के वर्षों का सबसे बड़ा 'सिस्टम फेलियर' केस माना जाता है। इस अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच में सामने आया था कि क्लब अवैध निर्माण पर चल रहा था, फायर एनओसी नहीं था, पर्याप्त आपातकालीन निकासी द्वार नहीं थे, स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं था और फायर अलार्म सिस्टम तक नहीं था। रिपोर्ट के ये निष्कर्ष इस तरह के लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आते हैं, जो साफ तौर पर नियामकीय विफलता दिखाते हैं। आग की घटनाओं के संदर्भ में तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारत में लोग आग से कम, आग लगने से पहले की गई अनदेखी से ज्यादा मरते हैं। भारत में कई मामलों में मौत यहां कोई असाधारण घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था का एक नियमित परिणाम है। दिल्ली के जनकपुरी में एक युवक सड़क पर खोदे गए गड्ढे में गिर जाता है। घंटों तक मदद नहीं मिलती और उसकी मौत हो जाती है। नोएडा में एक इंजीनियर की कार खुले नाले में जा गिरती है। उसकी मौत के बाद सुरक्षा प्रबंधों तथा प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठते हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर की एक इमारत के बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्र डूबकर मर जाते हैं। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण हैं, लेकिन प्रशासनिक विफलता की कहानी वही रहती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 2020 के बीच खुले गड्ढों और मैनहोल में गिरकर 5,393 लोगों की मौत हुई। यानी औसतन हर दिन दो भारतीय ऐसी मौत मरते हैं, जो पूरी तरह रोकी जा सकती थीं। सवाल यह है कि गड्ढे खुले क्यों थे और उनके आसपास आवश्यक सुरक्षा इंतज़ाम क्यों नहीं थे? भारत में हर बड़े हादसे के बाद एक तयशुदा पटकथा चलती है। जांच के आदेश दिए जाते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है। कुछ अधिकारियों का तबादला होता है। फिर अगला हादसा हो जाता है। दुखद यह है कि भारत में मौतें अक्सर किसी एक व्यक्ति की गलती से नहीं होतीं। वे कई संस्थाओं की संयुक्त विफलता से होती हैं। ठेकेदार लापरवाह होता है, विभाग आंखें मूंद लेता है, निरीक्षण औपचारिकता बन जाता है और राजनीतिक व्यवस्था केवल हादसे के बाद सक्रिय होती है। परिणामस्वरूप नागरिक मरता है और तंत्र सिर्फ प्रेस कांफ्रेंस करता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनाव नहीं होती। उसकी पहचान यह होती है कि वह अपने नागरिकों को कितनी सुरक्षा देता है। जिस देश में लोग गड्ढों, मैनहोल, सीवरों, आग, भगदड़ और खराब सड़कों से मर रहे हों, वहां विकास के दावों की चमक थोड़ी फीकी पड़ जाती है।

एक कड़वा सच यह भी है कि भारत में नागरिकों को भी इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि कहीं कानून का उल्लंघन हो रहा है, तो उस जगह से दूरी बनाएं। इतना ही नहीं, कई जगह वे खुद भी कानून का उल्लंघन करने से नहीं हिचकते। मसलन, हमारे देश में हर साल लगभग 1.8 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर जाते हैं। इनमें से करीब 30 हजार लोग सिर्फ इसलिए मरते हैं क्योंकि उन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता। देश की विशाल आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और शायद संवेदनहीनता का कारण भी। बड़ी आबादी ने जान की कीमत को इतना कम कर दिया है कि न नागरिकों को और न सिस्टम को समझ आता है कि जीवन अनमोल है।

## कहानी

# निर्दयी जादूगर

एक व्यापारी की दाढ़ी बहुत लम्बी थी। सभी लोग उसे लम्बी दाढ़ी वाला बोलकर पुकारा करते थे। उसकी पत्नी कहीं खो गई थी और वह अपने पड़ोसी की बेटी सारा से विवाह करना चाहता था। कुछ दिनों बाद उसका विवाह बड़ी धूमधाम से सारा के साथ हो भी गया।

विवाह के कुछ दिन बाद ही उस लंबी दाढ़ी वाले आदमी को किसी काम से दूसरे प्रदेश जाना पड़ा।

सने अपनी पत्नी से कहा। तुम इस घर की मालकीन हो इस घर की चाभी को अपने पास रखो। जब मैं ना रहू तो तुम अपनी सहेलियों को घर में बुला सकती हो, लेकिन छोटी चाबी से कोने वाला कमरा मत खोलना। उसमें जाना मना है। अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो तुम्हें कठोर सजा मिलेगी।

सारा अपने पति की डरावनी आंखें देख सहम गई। सारा ने वादा की वह उस कमरे को नही खोलेगी। जब उसका पती चला गया तो सारा ने अपनी सहेलियों को अपने घर बुला लिया। उन्हें अपने महंगे कपड़े और गहने दिखाने लगी।

सभी सहेलिया सारा का महल जैसा घर देखा तभी एक सहेली ने सारा को कहा तुमने हमें अपने घर के सारे कमरे को दिखाया पर उस कोने वाले कमरे को बंद क्यों कर रखा है? वहां क्या है?

सारा ने बताया की उस कमरे को खोलने की इजाजत उसके पति ने उसे नही दी है। यह सुनकर दूसरी सहेली ने सारा से कहा कमाल कि बात है। तुम इस घर की मालकिन होने के बावजूद तुम्हें कमरे खोलने की इजाजत नहीं हैं?

अगली सुबह सारा अकेले में यह सोच रही थी। उसके पति ने कोने वाले कमरे में क्या छुपा रखा है। जिसे वह नही दिखा सकता है।

सारा की इच्छा उस कमरे को देखने की ज्यादा बढ़ गयीं। उसने उस कमरे को खोलने का मन बना लिया। उसके बाद उसने चाबी ली और कोने वाले कमरे का गेट खोल दिया।

कमरे में कदम रखते ही सारा हैरान रह गई। वहां कांच का एक बड़ा सा संदूक रखा था। जिसमें बहुत से मेढ़क भरे हुए थे। उन मेढ़क में से एक मेढ़क ने उसे पुकारा और कहा, हम सभी लम्बी दाढ़ी वाले व्यापारी की पत्नियां है। हमने उसकी बात नही मानी तो सजा देते हुए उसने हमें मेढ़क बना दिया। वह एक दुष्ट जादुगर है। अब वह तुम्हें भी मेंढ़क बना देगा।

सारा डर के मारे कांप उठी और अपने कमरे की ओर भागी। तभी सारा ने देखा कमरे की छोटी चाबी का रंग बदल गया है। उसने उस चाबी को पानी से धोकर देखा तब भी चाबी का पहले की तरह नहीं हुआ। क्योंकि वह एक जादुई चाभी थी।

अगली सुबह सारा का पति घर वापस आ गया और घर की चाबियां वापस मांगी। सारा ने उसे चाबियों का गुच्छा वापस कर दिया। उसने देखा छोटी चाभी का रंग बदल गया है। उसने बोला मेरे मना करने के बावजूद तुमने मेरी बात नही मानी।

अब तुम्हारा भी वही हाल होगा जो मेरी पहले वाली सभी पत्नियों का हुआ था। तुम कितने निर्दयी इंसान हो तुम दुसरों को कितना कष्ट देते हो सारा ने गुस्से में कहा और घर से बाहर भाग गयीं।

जादूगर अपनी छड़ी धुमाते हुए सारा के पीछे उसे भी मेढ़क बनाने के लिए भागा। तभी सारा की आवाज सुन सभी पड़ोसी और सारा के परिवार वाले वहां पहुंच गए। सारा ने जादूगर की सारी बातें सब को बता दी। सभी लोगों ने पीट-पीटकर जादूगर को मार डाला।

सारा ने उस छड़ी की मदद से सभी मेढ़क बनी औरतों को भी आजाद कर दिया। उसके बाद उन्होंने जादूगर की सारी धन-दौलत को आपस में बांट ली और सभी आराम से रहने लगे।

इस कहानी से हमें यह सिख मिलती है किसी पर भी जल्दी भरोसा नही करना चाहिए। किसी से भी कोई रिश्ता बनाने से पहले उसकी पुरी तहकीकात करनी चाहिए।

# जनसांख्यिकी परिवर्तन की चुनौती

*भारत में घुसपैठ की कहानी बड़ी लंबी है। 1971 में जब पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया तो ऐसी आशा थी कि सांप्रदायिक सौहार्द होगा और बांग्लादेश सरकार आर्थिक क्षेत्र में ऐसे कदम उठाएगी कि किसी को अपना देश छोड़कर जीविकोपार्जन के लिए कहीं और न जाना पड़े, परंतु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। आर्थिक कारणों से भारी संख्या में लोग में घुसपैठ करते रहे और अनुमान है कि इनमें से 70 प्रतिशत मुसलमान थे। हिंदू मुख्य रूप से वहां प्रताड़ित होने के कारण भारत पलायन कर रहे थे। बांग्लादेश चुनाव आयोग के अभिलेखों को देखने से कुछ दिलचस्प आंकड़े सामने आते हैं। 1991 में बांग्लादेश में कुल 6,21,81,745 वोटर थे, परंतु इस सूची से 1995 में 61,65,567 लोगों के नाम काटने पड़े, क्योंकि उनका कहीं अता-पता नहीं था। 1996 में फिर 1,20,000 व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पड़े, क्योंकि उनका भी कुछ पता नहीं चला। इतनी बड़ी संख्या में लोग हवा में नहीं गायब हो रहे*

देश में जनसांख्यिकी परिवर्तन के कारण एवं उससे होने वाले प्रभाव के अध्ययन हेतु भारत सरकार ने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी घुसपैठ एवं कुछ सामाजिक एवं धार्मिक समुदायों की जनसंख्या में असाधारण परिवर्तन के परीक्षण पश्चात प्रशासनिक एवं कानूनी ढांचे तथा नीतियों में परिवर्तन हेतु आवश्यक संस्तुति करेगी। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज प्रकाश प्रभाकर नवलेकर की अध्यक्षता वाली कमेटी के गठन की घोषणा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ एवं अन्य कारणों से होने वाले जनसांख्यिकी परिवर्तन से देश की शांति व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में ऐसे जनसांख्यिकी परिवर्तन हुए हैं, जो सामान्य नहीं हैं। ये अवैध घुसपैठ, अनियमित आवागमन और प्रशासनिक ढिलाई के कारण हुए हैं। यह परिवर्तन विशेष तौर से सीमावर्ती इलाकों, औद्योगिक केंद्रों और सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से जनसांख्यिकी परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था, 'एक साजिश के तहत जनसंख्या को बदला जा रहा है। घुसपैठिये देश के युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं, बहनों और बेटियों को निशाना बना रहे हैं, भोले भाले आदिवासियों को गुमराह कर उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' प्रधानमंत्री की इस घोषणा पर कार्रवाई हेतु ही उपरोक्त कमेटी का गठन किया गया है।

भारत में घुसपैठ की कहानी बड़ी लंबी है। 1971 में जब पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया तो ऐसी आशा थी कि सांप्रदायिक सौहार्द होगा और बांग्लादेश सरकार आर्थिक क्षेत्र में ऐसे कदम उठाएगी कि किसी को अपना देश छोड़कर जीविकोपार्जन के लिए कहीं और न जाना पड़े, परंतु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। आर्थिक कारणों से भारी संख्या में लोग में घुसपैठ करते रहे और अनुमान है कि इनमें से 70 प्रतिशत मुसलमान थे। हिंदू मुख्य रूप से वहां प्रताड़ित होने के कारण भारत पलायन कर रहे थे। बांग्लादेश चुनाव आयोग के अभिलेखों को देखने से कुछ दिलचस्प आंकड़े सामने आते हैं। 1991 में बांग्लादेश में कुल 6,21,81,745 वोटर थे, परंतु इस सूची से 1995 में 61,65,567 लोगों के नाम काटने पड़े, क्योंकि उनका कहीं अता-पता नहीं था। 1996 में फिर 1,20,000 व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पड़े, क्योंकि उनका भी कुछ पता नहीं चला। इतनी बड़ी संख्या में लोग हवा में नहीं गायब हो रहे थे। ये सब धीरे-धीरे भारत में घुसपैठ कर रहे थे। बांग्लादेश का बुद्धिजीवी वर्ग इस घुसपैठ का बराबर समर्थन कर रहा था।

असम के राज्यपाल रहते लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिन्हा ने आठ नवंबर, 1998 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि असम में जिस तरह घुसपैठ हो रही है, उसे देखते हुए हो सकता है कि असम के सीमावर्ती मुस्लिम बहुल क्षेत्र को बांग्लादेश में मिला दिया जाए। बांग्लादेश में कुछ लोग 'ग्रेटर बांग्लादेश' की बात भी करने लगे थे। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स का गठन किया था। उनमें से एक माधव गोडबोले के नेतृत्व में सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं का गहन अध्ययन करने के लिए बनाई गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 2000 में प्रस्तुत की। उसमें स्पष्ट लिखा है कि इस सूची से 1995 में 61,65,567 लोगों के नाम काटने पड़े, क्योंकि उनका कहीं अता-पता नहीं था। 1996 में फिर 1,20,000 व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पड़े, क्योंकि उनका भी कुछ पता नहीं चला। इतनी बड़ी संख्या में लोग हवा में नहीं गायब हो रहे थे। ये सब धीरे-धीरे भारत में घुसपैठ कर रहे थे। बांग्लादेश का बुद्धिजीवी वर्ग इस घुसपैठ का बराबर समर्थन कर रहा था।

असम के राज्यपाल रहते लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिन्हा ने आठ नवंबर, 1998 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि असम में जिस तरह घुसपैठ हो रही है, उसे देखते हुए हो सकता है कि असम के सीमावर्ती मुस्लिम बहुल क्षेत्र को बांग्लादेश में मिला दिया जाए। बांग्लादेश में कुछ लोग 'ग्रेटर बांग्लादेश' की बात भी करने लगे थे। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स का गठन किया था। उनमें से एक माधव गोडबोले के नेतृत्व में सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं का गहन अध्ययन करने के लिए बनाई गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 2000 में प्रस्तुत की। उसमें स्पष्ट लिखा है कि घुसपैठियों की संख्या एक करोड़ 50 लाख है। टास्क फोर्स के अनुसार तब प्रतिवर्ष करीब तीन लाख बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसपैठ कर रहे थे। टास्क फोर्स ने सभी दलों को इस समस्या से निपटने में उदासीन बताते हुए लिखा कि इतनी बड़ी संख्या में घुसपैठियों का होना देश की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2005 में इस समस्या का संज्ञान लेते हुए इसे 'जनसांख्यिकी आक्रमण' कहा। इस तरह समय-समय पर चेतावनी मिलती रही, पर सरकारों के कान में जूं नहीं रेंगी और समय बीतने के साथ समस्या और गंभीर होती गई। आज शायद ही कोई ऐसा प्रदेश होगा जहां बांग्लादेशी कुछ न कुछ संख्या में न हों। बंगाल और असम में तो इनकी बाढ़ है। 1951 में बंगाल में मुस्लिम जनसंख्या 51,18,269 थी, 2011 में यह संख्या बढ़कर 2,46,54,825 हो गई। यानी 381.7 प्रतिशत की वृद्धि। असम में 1951 में मुस्लिम जनसंख्या 19,95,936 थी, 2011 में यह उछलकर1,06,79,345 हो गई। यानी 435.1 प्रतिशत की वृद्धि।

# कर्नाटक में कलह

कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में सरकार का गठन होते ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने जिस तरह पसंदीदा विभाग न मिलने से खफा होकर त्यागपत्र दे दिया, उससे नवगठित सरकार के सामने सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने जैसी स्थिति बन गई है। रामलिंगा रेड्डी को जल संसाधन मंत्रालय दिया गया था, लेकिन वह उन्हें रास नहीं आया। उनका कहना है कि उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग वाला मंत्रालय चाहिए। किसी सरकार में कौन मंत्री बने और उसे कौन सा विभाग मिले, यह तय करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है, लेकिन शायद रामलिंगा रेड्डी को इसकी परवाह नहीं। उन्हें मलाईदार समझे जाने वाला बेंगलुरु विकास विभाग चाहिए। उन्होंने जिस तरह मनचाहे विभाग की मांग करने के स्थान पर सीधे त्यागपत्र दे दिया, उससे यही पता चलता है कि वे यह मान बैठे थे कि उन्हें वही विभाग मिलेगा, जो उनकी

प्राथमिकता में है। यदि अन्य मंत्री भी ऐसी ही चाहत रखने लगें तो फिर डीके शिवकुमार के लिए सरकार चलाना कठिन ही होगा। वैसे उनके सामने समस्या केवल रामलिंगा रेड्डी ने ही खड़ी नहीं की। एक अन्य मंत्री जमीर अहमद भी अपने मंत्रालय से नाखुश हैं। उनके समर्थक उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाए जाने के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ और मंत्री भी अपने विभागों से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि किसी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया और कई मंत्री ऐसे हैं, जो बड़े नेताओं के सगे-संबंधी हैं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे भी शामिल हैं। कर्नाटक में नई सरकार बनते ही जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की समस्या बढ़ाने वाला ही नहीं, पार्टी में गुटबाजी को नए सिरे से उभारने वाला भी है। कर्नाटक का मामला कुछ-कुछ पंजाब की याद दिला रहा है। वहां भी कांग्रेस नेतृत्व की ओर से मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को हटाते ही गुटबाजी चरम पर पहुंच गई थी और फिर ऐसी स्थिति बनी कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा।

फिलहाल कहना कठिन है कि कर्नाटक में क्या होगा, लेकिन जब विधानसभा चुनाव में दो वर्ष शेष रह गए हैं, तब कलह के बीच नई सरकार के लिए ऐसा कुछ कर पाना कठिन होगा, जिससे कर्नाटक की समस्याओं का समाधान हो और कांग्रेस को मजबूती मिले। कर्नाटक का घटनाक्रम पार्टी नेतृत्व की भी मुसीबत बढ़ाने वाला है, क्योंकि यह कांग्रेस शासित एक प्रमुख राज्य है और यह किसी से छिपा नहीं कि यहां भाजपा उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। यह शुभ संकेत नहीं कि जब कर्नाटक की जनता को एक सक्षम सरकार चाहिए, तब डीके शिवकुमार सरकार की शुरुआत कलह से हो रही है।

## राजीव गांधी एनक्लेव में 12 अवैध जल कनेक्शन काटे, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजीव गांधी एनक्लेव क्षेत्र में जलदाय विभाग ने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12 अवैध कनेक्शन काट दिए। यह कार्रवाई कनिष्ठ अभियंता रेणु चौधरी की मौजूदगी में विभागीय कर्मचारियों की टीम द्वारा की गई। अभियान के दौरान क्षेत्र में अवैध रूप से लिए गए जल कनेक्शनों की जांच कर उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया गया। विभाग ने स्थानीय निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध जल कनेक्शन किए जाने पर उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। कनिष्ठ अभियंता रेणु चौधरी ने बताया कि जलदाय विभाग द्वारा नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाकर जल चोरी पर अंकुश लगाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से विभागीय नियमों का पालन करने तथा वैध कनेक्शन लेकर ही पेयजल का उपयोग करने की अपील की। विभाग ने स्पष्ट किया कि अवैध कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

## 09 जून से शुरू होंगी वनस्पति शास्त्र की प्रायोगिक परीक्षाएं, दिशा-निर्देश जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा जिले के लिए राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय को स्नातक वार्षिक पद्धति की प्रायोगिक परीक्षाओं का केंद्र बनाया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के वनस्पति शास्त्र विषय की प्रायोगिक परीक्षाएं 9 जून से प्रारंभ होंगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा में नियमित, पूर्व एवं स्वयंपाठी श्रेणी के परीक्षार्थी शामिल होंगे। विज्ञान संकाय के सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय अथवा विभाग के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित बैच नंबर, परीक्षा तिथि एवं समय की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय पर उपस्थित होना होगा। प्राचार्य ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों के लिए प्रायोगिक परीक्षा का प्रवेश पत्र तथा फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य है। वहीं स्वयंपाठी विद्यार्थियों को मूल प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र और परीक्षा शुल्क जमा कराने की रसीद भी प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में किसी भी परीक्षार्थी को प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से समय पर उपस्थित होकर परीक्षा संबंधी सभी निर्देशों की पालना करने की अपील की है।

## आरोपी को थप्पड़ मारना आहूजा को पड़ सकता है भारी, पुलिस ने शुरू की जांच

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

धर्मांतरण मामले में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय परिसर में थप्पड़ मारने का मामला पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक अलवर सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस थाना अखेपुरा में धर्मांतरण से जुड़े प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(2) और 299 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश करने के दौरान भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कथित रूप से उसे थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। एसपी के अनुसार पूरे प्रकरण की जांच उत्तर शहर वृत्त के वृत्ताधिकारी अंगद शर्मा को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि न्यायालय परिसर में पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी के साथ हुई इस घटना ने कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की नजर पुलिस जांच और उसके निष्कर्षों पर टिकी हुई है।

## माधव विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी शोधार्थी ने पीएचडी उपाधि अर्जित की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा आबूरोड़

माधव विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के शोधार्थी डॉ. मुथ्थु कुमार ने अपनी पीएचडी उपाधि सफलतापूर्वक अर्जित की है। यह उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि उन्होंने अपने शोध निर्देशक डॉ. आर. अरुणाचलम के मार्गदर्शन में प्राप्त की। उनके शोध कार्य का मूल्यांकन क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. अरविंद चौहान द्वारा किया गया। डॉ. चौहान ने शोध की अकादमिक गहराई, गुणवत्ता तथा फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में इसके उपयोगी योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने शोधार्थी एवं मार्गदर्शकों के समर्पण एवं निरंतर प्रयासों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. आर. अरुणाचलम, डॉ. आनंद वी, डॉ. गिरीश बालधा, डॉ. आनंदन डी, डॉ. वैभव दवे, डॉ. प्राची ओझा, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. किंनारी तथा डॉ. अंजलि सहित अन्य शिक्षकों ने डॉ. मुथ्थु कुमार को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। फिजियोथेरेपी विभाग ने इस उपलब्धि को अकादमिक उत्कृष्टता एवं शोध नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है तथा भविष्य में भी उच्च गुणवत्ता वाले शोध को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

## हिंदुस्तान जिंक द्वारा राजस्थान में 250-हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के लिए टीईआरआई के साथ एमओयू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर/ चित्तौड़गढ़

विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादक कंपनियों में से एक, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान में 250-हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट को विकसित करने के लिए द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू साइन किया। इस प्रोजेक्ट से औद्योगिक परिसर में विश्व का सबसे बड़ा ग्रीन कवर एरिया विकसित होगा। चित्तौड़गढ़ जिले में हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाली यह पहल, औद्योगिक क्षेत्र को प्राकृतिक इकोसिस्टम के रूप में बदलने की कंपनी के प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है। यह सहयोग हिंदुस्तान जिंक के सस्टेनेबिलिटी गोल 2030 को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

## ग्राम पंचायत गोनेड़ा की रात्रि चौपाल में कलक्टर का इंतजार, ग्रामीणों ने जताया रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

निकटवर्ती ग्राम पंचायत गोनेड़ा के अटल सेवा केंद्र में आयोजित रात्रि चौपाल और जनसुनवाई के दौरान उस समय ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई, जब निर्धारित कार्यक्रम के बावजूद जिला कलक्टर मौके पर नहीं पहुंचीं। घंटों इंतजार के बाद भी कलक्टर के नहीं आने से ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति असंतोष व्यक्त किया और गांव की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम योगेश सिंह देवल को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिला कलक्टर को स्वयं चौपाल में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुननी थीं। इस उम्मीद में बड़ी संख्या में ग्रामीण शाम से ही अटल सेवा केंद्र पहुंच गए थे। लंबे इंतजार के बाद भी कलक्टर के नहीं आने से लोगों में निराशा और रोष देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना था कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में अनुपस्थित रहने से आमजन का विश्वास प्रभावित होता है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने गांव की मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति का उल्लेख किया। उनका कहना था कि जनवरी 2023 में गोनेड़ा को ग्राम पंचायत से हटाकर नगर परिषद क्षेत्र में शामिल किया गया, लेकिन इसके बाद विकास कार्यों और सुविधाओं की स्थिति कमजोर हो गई। जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई पांच बोरिंग में से चार बंद पड़ी हैं तथा कई घरों तक अब भी नल कनेक्शन नहीं पहुंचे हैं। पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं होने से रास्ते क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। टूटी पाइपलाइनों के कारण पेयजल की बर्बादी और दूषित जल आपूर्ति की समस्या भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था की खराब स्थिति, नालियों में जमा कचरे, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों के रिक्त पदों तथा पुरानी बिजली लाइनों के कारण बार-बार होने वाले फॉल्ट की समस्याएं भी उठाईं। साथ ही मुख्य मार्गों पर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। जिला कलक्टर की अनुपस्थिति में एसडीएम योगेश सिंह देवल ने रात्रि चौपाल की कमान संभाली। उन्होंने ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को पेयजल, सफाई एवं बिजली से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। एसडीएम ने स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की नियुक्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर उच्च स्तर पर कार्रवाई करवाने का भरोसा भी दिलाया।

## भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए तारणहार बना 'एक कदम गांव की ओर' एनजीओ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

भीषण गर्मी के चलते पक्षियों के सामने उत्पन्न जल संकट को देखते हुए सामाजिक संगठन 'एक कदम गांव की ओर' एनजीओ ने शनिवार को परिंडे बांधो अभियान चलाकर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। एनजीओ के संयोजक एवं सेवानिवृत्त तहसीलदार रामनिवास यादव के नेतृत्व में आयोजित अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर दो दर्जन से अधिक परिंडे लगाकर उनमें पानी की व्यवस्था की गई। अभियान के दौरान भोमियां जी मंदिर (पावटा की बगीची), ठाकुर जी मंदिर (ब्रह्मजोड़ी), श्री ठाकुर जी मंदिर (पंडितपुरा) तथा संत श्री टीला जी महाराज चक्रतीर्थ मंदिर परिसर सहित कई स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए गए। इस कार्य में भोमिया जी मंदिर के महंत का विशेष सानिध्य रहा। युवा नेता ओपी बायला ने कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने घरों और आसपास परिंडे लगाकर नियमित रूप से पानी भरने की अपील की, ताकि कोई भी पक्षी प्यास से परेशान न हो। अभियान में ब्रह्मजोड़ी महाराज हरिदास, रामावतार चौरिया, धर्मपाल यादव, नरेश यादव, बृजमोहन यादव, रामसिंह यादव, रणजीत स्वामी, नवल किशोर मूलोदिया सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सामाजिक सरोकार से जुड़ी इस पहल को क्षेत्रवासियों ने प्रेरणादायक बताते हुए सराहा।

## मोही में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ, श्रद्धालुओं में उत्साह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजसमंद

जिले के मोही में श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हुआ। कथा के पहले दिन शनिवार को भगवान श्रीनृसिंह मंदिर से राजपूत सामुदायिक भवन तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया तथा श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए नगर में धर्ममय वातावरण का निर्माण किया। कलश यात्रा के पश्चात राजपूत सामुदायिक भवन में वैदिक मंत्रोच्चार एवं प्रभु आरती के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा वाचक पंडित विष्णुकांत शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म, भक्ति और संस्कारों से जोडने का दिव्य माध्यम है। उन्होंने कहा कि भागवत श्रवण से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है तथा भगवान के प्रति श्रद्धा और समर्पण की भावना जागृत होती है। शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय में भागवत कथा समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा श्रवण कर अपने जीवन को प्रभु भक्ति से जोडने का आह्वान किया।

## यज्ञ के दौरान आए तूफान से टेंट गिरा, दो घायल; एक जयपुर रेफर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले के बानसूर क्षेत्र के ग्राम बिलाली में आयोजित धार्मिक यज्ञ कार्यक्रम के दौरान शनिवार को आए तेज तूफान से बड़ा हादसा हो गया। तूफान के चलते कार्यक्रम स्थल पर लगाया गया विशाल टेंट अचानक गिर गया, जिससे दो लोग घायल हो गए। हालांकि अधिकांश श्रद्धालु समय रहते टेंट से बाहर निकल गए, जिससे बड़ा जनहानि वाला हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज आंधी के दौरान टेंट की संरचना अचानक असंतुलित होकर धराशायी हो गई। इस दौरान कुछ लोग टेंट के नीचे फंस गए। हादसे में ओली की ढाणी (खारवा, बिलाली) निवासी रोशन स्वामी (50) पुत्र मामराज तथा सुगन चंद (60) पुत्र बोदनराम घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रोशन स्वामी की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें जयपुर रेफर किया गया। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि रोशन स्वामी को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दूसरे घायल का उपचार स्थानीय स्तर पर किया गया। घटना के बाद यज्ञ स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि समय रहते लोगों के बाहर निकल जाने से बड़ा हादसा टल गया।

## विश्व पर्यावरण दिवस शिखर सम्मेलन में वीएसआईएस सम्मानित

### पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को मिली पहचान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस शिखर सम्मेलन-2026 (आठवें संस्करण) में वर्धमान श्रीकल्याण इंटरनेशनल स्कूल (वीएसआईएस) को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय रही। राजस्थान पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण केंद्र (आरईईसीसी) द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनुका जोशी ने विद्यालय की ओर से सम्मान ग्रहण किया। यह सम्मान प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं जल संरक्षण विशेषज्ञ पद्मश्री लक्ष्मण सिंह लापोरिया तथा श्रीकांतन नायर, निदेशक, पर्यावरण विभाग, केरल द्वारा प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन तथा सतत विकास के प्रति विद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता और सक्रिय प्रयासों का प्रमाण है। विद्यालय में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के उद्देश्य से समय-समय पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनके सकारात्मक परिणाम समाज में भी दिखाई दे रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय की ईको क्लब टीम को भी पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ईको क्लब प्रभारी गायत्री योगी के मार्गदर्शन में टीम ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न अभियानों एवं गतिविधियों का सफल संचालन किया है। क्लब की सदस्य नीता मंडल, शिवानी आसोपा, श्रीमती अंजू खन्ना तथा श्री गिरराज के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की गई। इन शिक्षकों ने विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे जागरूक, संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करना भी है जो पर्यावरण संरक्षण को अपना नैतिक दायित्व समझें और सतत भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं। यह सम्मान विद्यालय की दूरदर्शी सोच, पर्यावरण के प्रति समर्पण तथा हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का प्रतीक है। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे आगे और अधिक प्रभावी पर्यावरणीय पहल करने की प्रेरणा बताया।

## विशाल रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्तदान, मानव सेवा का दिया संदेश

**भीलवाड़ा।** भारत विकास परिषद् वीर शिवाजी शाखा, भीलवाड़ा द्वारा स्वर्गीय श्रीमती मुन्ना देवी अग्रवाल की 7वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 6 जून 2026 को कोटड़ी श्याम ब्लड बैंक, भीलवाड़ा में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 40 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर समाज में रक्त की आवश्यकता को पूरा करने तथा मानव सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष कमलेश बोड़ाना ने बताया कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं ब्लड बैंक टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजहित के ऐसे कार्य भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे। स्वर्गीय श्रीमती मुन्ना देवी अग्रवाल के परिवार की ओर से श्री कमलेश अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि माता जी की पुण्य स्मृति में आयोजित यह सेवा कार्य उनके आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि है। रक्तदान के माध्यम से अनेक जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलेगा, इससे बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। स्वर्गीय श्रीमती मुन्ना देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष आयोजित शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। माताजी की पुण्यतिथि पर हर वर्ष रक्तदान शिविर लगाकर मानव सेवा का कार्य किया जाता है, एवं वर्ष पर्यंत पथरी की दवाई का निशुल्क वितरण किया जाता है ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य माताजी के आदर्शों एवं परोपकारी विचारों को समर्पित है।

## मोबाइल और सोशल मीडिया से भटकें नहीं, सपनों पर करें फोकस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चित्तौड़गढ़

जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में शुक्रवार को भैंसरोड़गढ़ पंचायत समिति की जालखेड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित रात्रि चौपाल बच्चों, युवाओं एवं ग्रामीणों के लिए प्रेरणादायी और जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच साबित हुई। चौपाल में जिला कलक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया तथा विद्यार्थियों को शिक्षा, लक्ष्य निर्धारण और सकारात्मक जीवन मूल्यों को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर ने विद्यालय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले तथा खेलकूद में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान

समय में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया एवं अन्य आकर्षण बच्चों का ध्यान भटका सकते हैं, लेकिन जो विद्यार्थी अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं, वही जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई केवल परिवार की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए करनी चाहिए। जीवन के शुरुआती वर्ष मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि विद्यार्थी पूरी लगन और ईमानदारी से प्रयास करें तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। जिला कलक्टर ने बच्चों को खेलकूद तथा सकारात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मित्रों के साथ समय बिताना अच्छी बात है, लेकिन नशे और अन्य बुरी आदतों से दूर रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। अभिभावकों से संवाद करते हुए उन्होंने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएं, उनकी पढ़ाई पूरी करवाएं तथा कम उम्र में विवाह जैसी कुप्रथाओं से बचें। उन्होंने पंचायत क्षेत्र में बच्चों के लिए संचालित एकलव्य ज्ञान केंद्र की उपलब्धता एवं गतिविधियों की भी जानकारी ली। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, चिकित्सा सुविधा, पुलिया निर्माण, सीसी रोड, स्पीड ब्रेकर एवं रास्तों से जुड़ी विभिन्न समस्याएं जिला कलक्टर के समक्ष रखीं। दीपपुरा घाटे की सड़क की खराब स्थिति एवं दुर्घटनाओं की समस्या पर ग्रामीणों ने सड़क सुधार की मांग की।

## ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल खतरनाक

**इन** दिनों तकनीक की मदद से हमारे कई काम आसान होते जा रहे हैं। लेकिन, कई बार तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो जाता है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, ड्राइविंग के वक्त हैंड्स-फ्री डिवाइस का इस्तेमाल भी काफी खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर ड्राइविंग के वक्त मोबाइल फोन पर बात करने के लिए कई लोग हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन, इस अध्ययन में कहा गया है कि हैंड्स-फ्री डिवाइस के इस्तेमाल से भी ड्राइवर का ध्यान भंग हो सकता है। भारत में भी ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत करना गैरकानूनी है लेकिन, ज्यादातर लोग ड्राइविंग के दौरान हैंड्स-फ्री पर बात करते हैं। भारत में सड़क दुर्घटना में कई लोगों को जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में इस अध्ययन के सामने आने से इस मुद्दे पर और गंभीर रूप से विचार करने की जरूरत है।

## ड्यूक 390 अगले साल तक

**ऑस्ट्रिया** की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम अपना ड्यूक 390 नेक्स्ट-जनेरेशन मॉडल अगले साल तक भारत में लॉन्च करेगी। हाल ही में इस ड्यूक की तस्वीरें यूरोप में टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। केटीएम ड्यूक 390 के इस नए मॉडल में कई बदलाव नजर आ रहे हैं, साथ ही बाइक की स्टाइलिंग में काफी बदलाव किए गए हैं। बाइक के फ्यूल टैंक को बिल्कुल नया डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा हेडलाइट क्लस्टर को भी बदला है। नए केटीएम ड्यूक 390 में ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नया स्विचगियर और एलईडी इंडिकेटर लगाए गए हैं। बाइक में सिंगल सिलिंडर इंजन लगा है, बताया जा रहा है कि इस बाइक के इंजन को भी पहले की तुलना में थोड़ा स्मूथ बनाया गया है ताकि ज्यादा वाइब्रेशन ना हो। इस नई ड्यूक 390 में पहले से बेहतर कूलिंग सिस्टम भी मौजूद है।

## बीएमडब्ल्यू की स्टंट बाइक...

**बीएमडब्ल्यू** आगामी जी310आर बाइक भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के लिए उतार चुकी है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के दो मॉडलों को चेन्नई-बेंगलुरू हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। आगामी मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू की पहली बाइक है जिसको भारत में तैयार किया जा रहा है। इस बाइक को होसुर में टीवीएस मोटर्स के कारखाने में तैयार किया जाएगा। बीएमडब्ल्यू जी310आर को पहली बार 2016 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। उम्मीद है कि इस बाइक भारतीय बाजार में अक्टूबर, 2016 तक लॉन्च किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान एक दिलचस्प बात यह सामने आई कि बाइक बिना एंटी ब्रेक सिस्टम के दिखाई दी। दरअसल कंपनी किफायती दाम में बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। इसलिए भारतीय बाजार में इसके दो वेरिएंट लॉन्च हो सकते हैं। इसके अलावा परीक्षक सवार के अनुसार, बीएमडब्ल्यू जी310आर की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के माइलेज की बात करें तो यह 25 से28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। हालांकि यह आंकड़े अभी केवल अटकलें हैं। यह एक स्टंट बाइक है जिसको चार बार विश्व स्टंट बाइक चैंपियन रहे चुके क्रिस फीफर के सुझाव के साथ तैयार किया गया है। इस बाइक के ज्यादातार फीचर्स स्टंट के ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

## ये नियम है फायदे के...

**शास्त्रों** के अनुसार निर्धारित नियमों का पालन करने से घर-परिवार को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें करते रहने से घर में ऊपरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती। सर्वप्रथम तुलसी को घर में स्थापित करें क्योंकि तुलसी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और भारत के हर भाग में सहज उपलब्ध हैं। जिस घर में तुलसी का पौधा नहीं, वह घर सूना समझा जाता है। तुलसी का स्पर्श कर घर में प्रवेश करने वाली वायु साक्षात अमृत होती है। दैहिक स्वास्थ्य को सिद्ध करती है। प्रतिदिन तुलसी को जल चढ़ाने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है अपितु इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि करते हैं। घर में मंदिर की स्थापना करने से पूर्व ध्यान रखें की वहां सूर्य की रोशनी और ताजी हवा आसानी से आ जा सके। ऐसा करने से ऊपरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। जिस घर में एकाक्षी नारियल की पूजा होती है, वहां लक्ष्मी जी की कृपा होती है, अन्न व धन की कभी कमी नहीं आती। गोबर में लक्ष्मी का वास होने से इसे गोवर अर्थात गौ का वरदान कहा जाना ज्यादा उचित होगा। गोबर से लीपे जाने पर ही भूमि यज्ञ के लिए उपयुक्त होती है। गोबर से बने उपलों का यज्ञशाला और रसोई घर, दोनों जगह प्रयोग होता है। मान्यता है जिस जगह को प्रतिदिन गाय के गोबर से लीपा पोता जाता है वह जगह हमेशा पवित्र रहती है और उस स्थान में मां लक्ष्मी सर्वदा निवास करती हैं। ऐसे घर को धन-दौलत से समृद्ध करती हैं मां लक्ष्मी।

मलेशिया की एक लीडिंग यूनिवर्सिटी ने भारत में रहने वाले हिंदुओं को डर्टी और अनक्लीन बताया है। यूनिवर्सिटी के इस टीचिंग मॉड्यूल के ऑनलाइन पब्लिश होने के बाद इसे लेकर विवाद हो गया है। इसमें दावा किया गया है कि हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। सच तो यह है कि किसी भी धर्म का मर्म जाने बिना उसके बारे में कोई भी टिप्पणी करना, कोई निष्कर्ष निकालना सतही ज्ञान का प्रदर्शन करना है। यूनिवर्सिटी के विद्वानों ने गंदगी कहकर हमारी भस्म की अवधारणा के बारे में अपनी अज्ञानता का परिचय दिया है।

# सृष्टि का सार है भस्म...

**मलेशिया** की लीडिंग यूनिवर्सिटी के मुताबिक भारत के हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। इस यूनिवर्सिटी की बात हिंदुओं द्वारा शरीर पर भस्म लगाने की ओर इशारा करती है। यूनिवर्सिटी के विद्वान भस्म को गंदगी और इसे शरीर पर लगाने को अवैज्ञानिक करार दे रहे हैं। ये विद्वान न तो भस्म के विज्ञान को समझ पाए हैं, न भस्म के अध्यात्म को औ न ही भस्म के दर्शन को। दरअसल शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है। एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाया जाता है। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले भगवान शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

### नश्वरता का आभास

भस्म यानी कुछ जलाने के बाद बची हुई राख। शिव जली हुई चिताओं के बाद बची हुई राख को भी अपने तन पर लगाते थे। इसका अर्थ पवित्रता में छिपा है, वह पवित्रता जिसे भगवान शिव ने एक मृत व्यक्ति की जली हुई चिता में खोजा है। इसे अपने तन पर लगाकर वे उस पवित्रता को सम्मान देते हैं। कहते हैं शरीर पर भस्म लगाकर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं। उनके अनुसार मरने के बाद मृत व्यक्ति को जलाने के बाद बची हुई राख में उसके जीवन का कोई कण शेष नहीं रहता। न उसके दुख, न सुख, न कोई बुराई और न ही उसकी कोई अच्छाई बचती है। इसलिए वह राख पवित्र है, उसमें किसी प्रकार का गुण-अवगुण नहीं है, ऐसी राख को भगवान शिव अपने तन पर लगाकर सम्मानित करते हैं। विभूति, भस्म या पवित्र राख के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है। इसमें 'ऊर्जा-शरीर' को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन के नश्वरता की याद दिलाती रहती है, मानो आप हर समय अपने शरीर पर नश्वरता ओढ़े हुए हों। 'भस्म' शब्द में 'भ' अर्थात 'भर्त्सनम्' अर्थात 'नाश हो'। 'स्म' अर्थात स्मरण। भस्म के कारण पापों का निर्दालन होकर ईश्वर का स्मरण होता है। शरीर नाशवान है । इसे निरंतर स्मरण रखने का जो प्रतीक है, वह भस्म है; ऐसा भस्म शब्द का भावार्थ है। विभूति, रक्षा एवं राख ये भस्म के समानार्थी शब्द है। अपनी आहुति देकर मनुष्य का भस्म होना, अर्थात अपनी इच्छा-आकांक्षा, दोष, अज्ञान एवं अहं का त्याग करना एवं मन की शुद्धता प्राप्त करना इसका मर्म है। मनुष्यदेह नश्वर है, इसलिए मरणोपरांत उस देह को जलकर राख होना है। इसलिए कोई भी देहासक्ति न रखें । मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है, यह भान रख मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए प्रत्येक क्षण को पवित्र तथा आनंदमय बनाने में प्रयत्नरत रहें, यही भस्म सूचित करती है।

### शरीर मूल पदार्थ नहीं

आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय का गोबर होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है। सुबह घर से निकलने से पहले, हम कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि हम अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर भस्म को सही तरीके से तैयार किया जाए और हमको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो भस्म हमें और ग्रहणशील बनाती है। हम उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। उस समय हमारा जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर हम अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

### कहां और क्यों लगाते हैं भस्म

आपने ध्यान दिया होगा कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलू ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। हमारे शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे। पारंपरिक रूप से थोड़ी भस्म भौंहों के बीच लगाना है, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में लगाना है, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में लगाना है, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। भस्म आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि हम जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि हम जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ हमारी मौजूदगी ही हमारे आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, हमें बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही हम अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि हम जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें। यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन इसकी आलोचना इसलिए हो रही है कि उन्होंने इसे समझा ही नहीं।

## विकास का उपकरण

वास्तव में भस्म शिव या किसी और भगवान की दी हुई चीज नहीं है। यह विश्वास का प्रश्न नहीं है। भारतीय संस्कृति में, उसे गहराई से किसी व्यक्ति के विकास के उपकरण के रूप में देखा गया है। सही तरीके से तैयार विभूति की एक अलग गूंज होती है। इसके पीछे के विज्ञान को पुनर्जीवित करने और उसका लाभ उठाने की जरूरत है। हमारे देश की संस्कृति में राख के बहुत से संदर्भ और अर्थ है राख एक वह जो जीवन का कटु सत्य है। प्राणांत के बाद यह देह भी भस्मसात होगी ही। कई बार तीर्थ स्थानों में गुफाओं में धूनी रमाए तपस्या करते साधु देखे जा सकते हैं। हमारे लोकगीतों और शास्त्रीय संगीत में अनेक प्रसंगो में भस्म का जिक्र आया है जैसे भस्म अंग गौरी संग अधिक सुहाय है...। कवियों ने अपनी कविताओं में भी भस्म का खूब प्रयोग किया है श्रीचन्द्रकुंवर बर्त्वाल ने 'ज्योति ओंकार' कविता में लिखा है ''शोभित चन्द्र कला मस्तक पर, भष्म विभूषित नग्न कलेवर कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन गिरती घोर घोष कर पद पर वज्र छटा सी दीप्त सुरधुनि। तथा शिव पंचाक्षर स्तोत्र में लिखा है- नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय विभूषिताय..।

## राख से उपचार

आयुर्वेद में भी राख का विशेषकर पहाड़ी गाय के गोबर से बने उपले की राख का कई प्रकार से उपयोग किया जाता है। किसी बच्चे के पेट में दर्द होने पर गांवों में जब डाक्टर और दवा नहीं होती थी तो बुजुर्ग लोग दादी-नानी बच्चे के पेट में जलती अंगीठी से गर्म राख निकालकर मल देते और सेक करते थे तो आराम आता था। कई बार जब बच्चे की तकलीफ का पता नही चलता था और लगातार रोता था तो उसे गोद में लेकर सयाने लोग मंत्र बोल-बोल कर राख का स्पर्श करते हुए कभी मां दुर्गा का, कभी हनुमान चालीसा का, कभी भगवान शंकर के, या अन्य देवी देवताओं का पाठ करते और बालक के माथे पर राख का तिलक लगाते और बच्चे दर्द मुक्त हो कर सो जाते। भारतीय संस्कृति में गो माता तो पूजनीय है ही तथा उसके त्याज्य गोमूत्र और गोबर की सर्वोत्तम जैविक खाद तो है ही इसके अतिरिक्त गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का भी आरोग्यता के लिए प्रयोग किया जाता है। गाय के गोबर के उपले की राख के भी अनेक प्रयोग है संक्रमण से जब कभी गंज रोग हो जाता है और सर पर गोल चकते बन जाते व सिर के बाल उड़ जाते हैं तो उसके उपचार के लिए भी राख की आवश्यकता होती जो एक अलग विधि है। गाय के गोबर के उपले की राख में अत्यधिक औषधीय तत्व हैं। यों तो स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से संक्रामक रोगों पर काफी नियन्त्रण कर लिया गया है। फिर भी कभी-कभार कहीं न कहीं रोगों के दर्शन हो ही जाते हैं। बड़ी माता भयानक संक्रामक रोग है। जो शरीर पर निकले फफोलों के सूखने पर खुरण्ड से फैलता है उससे चेहरा कुरूप हो जाता है कहीं बार आंखों की रोशनी भी चली जाती हैं जिस समय उसके फफोले सूखने लगे तो उस समय उस स्थान पर कपड़े से छनी हुई गाय के गोबर के उपले की राख मलने से दाग नहीं पड़ते। यह अनुभूत सत्य है।

## भस्म तिलक का आकार

देवता के तत्वानुसार मस्तक पर लगाए तिलक का आकार निर्धारित होता है। मस्तक पर बनाए भस्म के पट्टों में शिवतत्व आकर्षित होता है और शिव लय से संबंधित देवता होने से शिवतत्व आकर्षित करने वाली सीधी रेखाएं मस्तक पर बनाई जाती है। सीधी रेखा शांति एवं स्थिरता दर्शाती है। उसी प्रकार मस्तक के ये तीन पट्टे त्रिगुण, तथा उत्पत्ति, स्थिति एवं लय से संबंधित होते है। तिलक से निर्मित स्पंदन देह में कार्यरत होते हैं। तिलक के आकारानुसार व्यक्ति की प्रकृति तथा साधनामार्ग की पहचान होती है। विशेषज्ञों ने उत्तराखण्ड के सभी सिद्धपीठों का का वर्णन किया है। उत्तराखण्ड में लगभग सभी सिद्धपीठों में भस्म को अति पवित्र मानकर प्रसाद दिया जाता है और भक्तजन कुंकुम, रोली तथा चन्दन की तरह उसे शिरोधार्य करते है, अपनी आस्था और विश्वास के फलस्वरूप। भारतवर्ष के महान दार्शनिक विद्वान चार्वाक ने कहा था जब तक जीना है सुखपूर्वक जीना चाहिए कर्ज करके भी घी पीना चाहिए भस्म होने वाली यह देह भला फिर कहां से आएगी।

# किस दिशा में सिर रख कर सोएं...?

पारंपरिक रूप से उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने के लिए अकसर हमें मना किया जाता है। क्या यह नियम पूरी दुनिया में सभी स्थानों पर लागू होता है? क्या है इसका विज्ञान? कौन सी दिशा सोने के लिए सबसे अच्छी है? किस दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए? यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

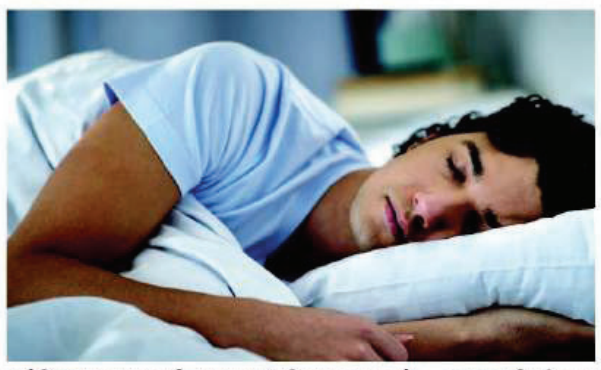

**आपने** पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों यानी मैगनेटिक फील्ड के बारे में सुना होगा। कई रूपों में अपनी चुंबकीयता के कारण पृथ्वी बनी है। इसलिए इस ग्रह पर चुंबकीय शक्तियां शक्तिशाली हैं। अगर हम उत्तर की ओर सिर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उस तरह रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। जब शरीर क्षैतिज अवस्था में होता है, तो हम तत्काल देख सकते हैं कि हमारी नाड़ी की गति धीमी हो जाती है। शरीर यह बदलाव इसलिए लाता है क्योंकि अगर रक्त उसी स्तर पर पंप किया जाएगा, तो हमारे सिर में जरूरत से ज्यादा रक्त जा सकता है और हमें नुकसान हो सकता है। अब अगर हम अपना सिर उत्तर की ओर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उसी अवस्था में रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। अगर कोई व्यक्ति एक उम्र से आगे निकल चुका है और उसकी रक्त शिराएं कमजोर हैं तो उसको रक्तस्राव और लकवे के साथ स्ट्रोक हो सकता है। अगर हमारा शरीर मजबूत है और ये चीजें हमारे साथ नहीं होतीं, तो हम उत्तेजित या परेशान होकर जाग सकते हैं क्योंकि सोते समय दिमाग में जितना रक्त संचार होना चाहिए, उससे ज्यादा होता है। ऐसा नहीं है कि एक दिन ऐसा करने पर हम मर जाएंगे। मगर रोजाना ऐसा करने पर हम परेशानियों को दावत दे रहे हैं। हमारे साथ किस तरह की परेशानियां हो सकती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि हमारा शरीर कितना मजबूत है।

**पूर्व सबसे अच्छी दिशा:** तो किस दिशा में सिर करके सोना सबसे अच्छा होता है? पूर्व सबसे अच्छी दिशा है। पूर्वोत्तर ठीक है। पश्चिम चलेगा। अगर कोई विकल्प नहीं है तो दक्षिण। उत्तर बिल्कुल नहीं। जब तक आप उत्तरी गोलार्ध में हैं, यही सही है। उत्तर के अलावा किसी भी दिशा में सिर करके सोया जा सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में, दक्षिण की ओर सिर करके न रखें।

## सुबह ऐसे उठें

**अपनी दायीं तरफ घूमें:** जब आप उठें, तो अपनी दायीं तरफ घूमें और फिर बिस्तर से बाहर आएं, क्योंकि नींद से उठते समय मेटाबोलिक प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। ऐसे में अचानक से बिस्तर छोड़ने पर दिल पर दबाव पड़ेगा।

**अपने हाथों को मसलें:** सुबह बिस्तर से उठने से पहले अपने हाथों को मसलें और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर लगाएं। हथेलियों को मसलने से हाथों में स्थित सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और हमारा सिस्टम जल्दी से सजग हो जाता है।

**मुस्कुराएं:** सुबह उठ कर मुस्कुराएं! किसे देख कर? किसी को नहीं! क्योंकि आपका सुबह उठना अपने आप में एक बड़ी बात है। लाखों ऐसे लोग हैं जो कल रात सोए और आज सुबह नहीं उठे, लेकिन आप सुबह उठ गए। क्या यह बड़ी बात नहीं है? इसलिए मुस्कुराएं।

### उठने के बाद यह करें

पारंपरिक रूप से यह भी कहा जाता है कि सुबह उठने से पहले हमें अपनी हथेलियां रगड़नी चाहिए और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर रखना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हमें भगवान दिख सकते हैं। इसका संबंध भगवान के दिखने से नहीं है। हमारे हाथों में नाड़ियों का एक भारी जाल है। अगर हम अपनी हथेलियां रगड़ते हैं, तो सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और शरीर तत्काल सजग हो जाता है। सुबह जगने पर भी अगर सुस्त महसूस करते हैं, तो ऐसा करके देखिए, आपका पूरा शरीर तत्काल सजग हो जाएगा। तत्काल आपकी आंखों और आपकी इंद्रियों के दूसरे पहलुओं से जुड़ी सारी नाड़ियां सजग हो जाती हैं। शरीर को हिलाने से पहले आपका शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय होने चाहिए। आपको सुस्त नहीं उठना चाहिए, इसका मकसद यही है।

## खादी की लहर है...

**केवीआईसी** यानी खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग ने मंगलावर को कहा कि देश में खादी की लहर है और कई मंत्रालयों व संस्थानों ने दैनिक आधार पर हाथ से बुने परिधान का उपयोग शुरू किया है। खादी उत्पादों के लिए मांग बढ़ रही है और खादी दस्तकारों के लिए अधिक मानव श्रम सृजित कर रही है। जब 1920 के दशक में भारत में हाथ से बने खादी वस्त्रों की शुरुआत हुई तो यह केवल एक ढर्रा नहीं था, यह एक विचारधारा के रूप में सामने आया था। इसके सबसे बड़े प्रशंसक महात्मा गांधी थे और सूती भारत की आत्मनिर्भरता, ब्रितानी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों से आजादी का प्रतीक बन गया था। आज भी यह कई नेताओं की पहली पसंद है। अब इसे लगातार फैशनेबल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय मौसम के लिए यह सबसे दुरुस्त पहनावा है, जो पसीने और गर्मी से राहत देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी खादी पहनने का सुझाव दिया था। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया अनुसार यह बहुत ज्यादा संभावना वाला बाजार है, खादी के कपड़े सस्ते हैं. भारतीय डिजाइनर जनता के साथ काम करना चाहते हैं, न कि कुछ खास लोगों के लिए। इस समय भारतीय कपड़ा बाजार में इसकी महज एक या दो फीसदी हिस्सेदारी है। यह अभी भी एक सवाल है कि खादी की छवि को बदलने की ये कोशिशें क्या वाकई कोई बदलाव ला सकेंगी। हालांकि, इसकी व्यापक लोकप्रियता में समय लग सकता है लेकिन खादी में बदलाव इससे जुड़े लाखों कारीगरों की जिंदगी को बदल सकता है।

# पशुपालकों को दी गोपाल क्रेडिट कार्ड एवं मोबाइल वेटरनरी यूनिट की सुविधा- सीएम भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने के लिए डबल इंजन सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राज्य सरकार ने किसान, पशुपालक और युवाओं की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के विकास का रोडमैप तैयार किया है। इसी क्रम में सबसे पहले पानी-बिजली की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा ग्राम पंचायत में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस ग्राम पंचायत में नवीन कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय खोलने एवं नवीन कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन की घोषणा की। साथ ही, विद्यार्थियों की मांग पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान, जीव विज्ञान एवं कृषि विज्ञान संकाय खोले जाने का भी आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए जल उपलब्धता का रोडमैप बनाया। इसके तहत दशकों से अटकी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ किया। इसी क्रम में रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी एवं गंगनहर के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ माही, देवास तथा सोम-कमला-अंबा, ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी रोडमैप बनाकर ठोस कदम उठाए गए हैं। ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से हम ऊर्जादाता भी बने हैं। वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य तय किया है तथा अब तक 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों को 6 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि दी। वहीं, राज्य सरकार भी 3 हजार रुपये की सम्मान निधि दे रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं जैविक खेती के जरिए अच्छी पैदावार से किसान अपनी आय को बढ़ाएं। स्थानीय कृषि उपज के अनुसार प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना से किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण भी होगा। साथ ही, रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डेयरी एवं सहकारिता सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। दूध की प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता एवं दूध संकलन केंद्रों की संख्या में निरंतर वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से पशुपालकों को आर्थिक संबल मिला है। हमारी सरकार ने पशुओं के इलाज के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट का संचालन भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कल्याण के संकल्प के साथ हमने ढाई वर्ष में 1.25 लाख पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। इसी प्रकार 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं और सवा लाख पदों पर भर्ती कैलेंडर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पेपरलीक पर लगाम लगाई है।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया। इसमें 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिनमें से अब तक 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए युवा नीति भी जारी की है। योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा दी जा रही है। किसान हरफूल ने बताया कि मैंने पॉलीहाउस, सोलर एवं फव्वारा योजना का लाभ लिया है। इन योजनाओं के माध्यम से आधुनिक खेती करना आसान हुआ है, विशेषकर पॉलीहाउस के जरिए खीरे की खेती से मेरी अच्छी आय हुई है। किसान पुरूषोत्तम ने कहा कि उद्यानिकी विभाग से योजनाओं की जानकारी लेकर आंवला और नींबू की बागवानी से मेरी अच्छी आय हो रही है। आंवला की प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की तैयारी भी कर रहा हूं। फिलहाल मेरी 30 से 35 लाख रुपये की आय हो रही है।

## जनगणना 2027 के प्रथम चरण की प्रगति एवं आंकड़ों की गुणवत्ता की समीक्षा बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत की जा रही हाउस लिस्टिंग की प्रगति एवं आंकड़ों की गुणवत्ता के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। प्रमुख जनगणना अधिकारी ने जनगणना कार्य के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग ब्लॉक की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बताया कि जिले में कुल 5306 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक निर्धारित हैं, जिनमें से 2969 का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जो कि कुल हाउस लिस्टिंग का 55.95 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि 14 जून से पूर्व हाउस लिस्टिंग के कार्य पूर्ण करने के निर्देश चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदारों को दिए है। उन्होंने इस दौरान जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार चौमूं द्वारा 530 में से 530 तथा जालसू द्वारा 164 में से 164, चार्ज जनगणना अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी कालाडेरा द्वारा 28 में से 28 शत-प्रतिशत हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का कार्य निर्धारित समयावधि से पूर्व पूर्ण करने पर बधाई देकर हौंसला अफजाही की। उन्होंने बताया कि चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार तूंगा द्वारा 165 में से 163 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का कार्य पूर्ण कर 90 प्रतिशत से अधिक प्रगति हासिल की है। वहीं किशनगढ़-रेनवाल में 59 में से 55, कानोता में 20 में से 19 तथा शाहपुरा नगर परिषद क्षेत्र में 144 में से 138 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का कार्य पूर्ण कर 90 प्रतिशत से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। प्रमुख जनगणना अधिकारी ने जिले के समस्त उपखण्ड जनगणना अधिकारियों, उपखण्ड अधिकारियों, चार्ज जनगणना अधिकारियों, तहसीलदारों, अधिशासी अधिकारियों, नगर परिषद आयुक्तों एवं चार्ज सहायकों को आंकड़ों की गुणवत्ता की सतत् मॉनिटरिंग करने तथा जनगणना कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सीईओ जिला परिषद् प्रतिभा वर्मा, उपवन संरक्षक वी केतन कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय व जिला जनगणना अधिकारी देवयानी, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय मेघराज मीणा, संयुक्त निदेशक सांख्यिकी विभाग बाबुलाल मीणा सहित संबंधित विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े थे।

## प्राध्यापक, प्राध्यापक (कृषि) एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2025 के समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगीत विषय के पेपरों में क्रमशः 24.94, 33.53 एवं 27.44 प्रतिशत परीक्षार्थी रहे उपस्थित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित प्राध्यापक, प्राध्यापक (कृषि) एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2025 के अंतर्गत जयपुर जिले में विभिन्न विषयों की परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर (पूर्व) नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि 06 जून को प्रातःकालीन पारी में आयोजित समाजशास्त्र विषय की परीक्षा के लिए कुल 6,597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,645 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 4,952 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार उक्त परीक्षा में 24.94 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि 06 जून को द्वितीय पारी में आयोजित अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा के लिए कुल 6,042 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2,026 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 4,016 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार उक्त परीक्षा में 33.53 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं संगीत विषय की परीक्षा के लिए कुल 798 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 219 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 579 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार उक्त परीक्षा में 27.44 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुईं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

## पीएम स्वनिधि योजना के लंबित आवेदनों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति, स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति तथा विभिन्न कारणों से लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 27 जनवरी 2026 के बाद से योजना के अंतर्गत कुल 34,893 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 14,169 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा 12,129 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। वहीं विभिन्न कारणों से लंबित 2,616 आवेदनों पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए तथा स्वीकृति एवं वितरण प्रक्रिया में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी एवं छोटे स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों को सुलभ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें। उल्लेखनीय है कि पीएम स्वनिधि योजना का शुभारंभ वर्ष 2020 में किया गया था। योजना का प्रथम चरण दिसंबर 2025 में पूर्ण हो चुका है तथा इसका क्रियान्वयन वर्ष 2030 तक जारी रहेगा। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग श्री रवि जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न सरकारी एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## राजस्थान के 4 शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण संबंधी कार्यों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान के चार शहरों- जयपुर, उदयपुर, अलवर एवं नाथद्वारा-द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों एवं स्वच्छता क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने नगर निकायों को स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के निर्देश दिए। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चारों शहरों द्वारा स्वच्छता प्रबंधन, कचरा संग्रहण, अपशिष्ट प्रसंस्करण, जनजागरूकता तथा नवाचार आधारित पहलों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक पहल का डेटा आधारित विश्लेषण किया जाए तथा प्रस्तुतिकरण में कार्यों से प्राप्त परिणाम, लाभार्थियों की संख्या, शामिल मानव संसाधन और संरचित लाभ स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं। उन्होंने उपलब्धियों को प्रभावी इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से प्रस्तुत करने पर भी बल दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा अत्यंत प्रभावी एवं भविष्य उन्मुख मॉडल है। नगर निकायों को अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, संसाधन पुनर्प्राप्ति तथा कचरे से आय सृजन के प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करना चाहिए। उन्होंने सफल मॉडलों एवं नवाचारों को अन्य शहरों में भी अपनाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्पष्ट रूप से निर्धारित कलेक्शन रूट्स, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा शहरों में दृश्य स्वच्छता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रयास नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने चाहिए तथा कचरा संवेदनशील स्थलों को समाप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए। मुख्य सचिव ने स्वच्छता व्यवस्था में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए स्वचालित दंड प्रणाली जैसे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने पर्यटन स्थलों एवं प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों में यांत्रिक सफाई को बढ़ावा देने तथा जनजागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नाथद्वारा जिले द्वारा विकसित वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल, कचरा मुक्त क्षेत्रों के विकास तथा जनजागरूकता आधारित पहलों की मुख्य सचिव ने सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणादायक हैं

## कैबिनेट मंत्री कुमावत ने बिजली-पानी के लिए अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व पाली विधायक जोराराम कुमावत ने शनिवार को पाली के सुमेरपुर में नगरपालिका सभाकक्ष में विभिन्न प्रशासनिक विभागों के आला अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्र की बिजली और पेयजल समस्याओं पर चर्चा की गई, जिस पर मंत्री ने अधिकारियों को सुधार करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान क्षेत्र में हो रही बिजली कटौती को लेकर उन्होंने विद्युत निगम के अधिकारियों को आवश्यक उन्होंने विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिए ढीले तार कसने, पेड़ों की कटाई-छंटाई करवाने तथा आरडीएसएस स्कीम के तहत नए ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए। कुमावत ने कहा कि पिछले दिनों आए तूफान के कारण बड़ी संख्या में बिजली के खंभे टूट जाने से आपूर्ति बाधित हो गई थी। जल्द ही शेष कार्य पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके साथ ही, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए हर क्षेत्र में समुचित और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर मंत्री कुमावत ने संभावित जलभराव और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विशेष टीमों का गठन करें, जो मानसून के दौरान किसी भी विपरीत परिस्थिति या आपदा से निपटने के लिए चौबीसों घंटे सतर्क रहें। बैठक के दौरान सामाजिक कल्याण की योजनाओं की प्रगति भी जांची गई। मंत्री कुमावत ने 'पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत 10 स्थानीय रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों और लाभार्थियों को ऋण सहायता के चेक वितरित किए, ताकि वे अपने व्यवसाय को मजबूत कर सकें। इससे पूर्व, नगरपालिका सभाकक्ष पहुंचने पर अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा मंत्री जोराराम कुमावत का पौधा भेंट कर 'ग्रीन वेलकम' (पर्यावरण अनुकूल स्वागत) किया गया। बैठक में पाली प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल, एसडीएम कालूराम कुम्हार सहित विद्युत विभाग, जलदाय विभाग और नगरपालिका के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जयपुर में मिशन हरियालो राजस्थान को गतिः 66 लाख पौधारोपण का लक्ष्य, जियोटैगिंग से होगी पूर्ण पारदर्शिता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मिशन हरियालो राजस्थान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं राज-उन्नति की 6वीं बैठक में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की समीक्षा जिला कलक्टर संदेश नायक ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में की। जिला कलक्टर ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने, राजस्थान में कृषि वानिकी को विकसित करने ,ग्लोबल वार्मिंग को कम करने तथा भारतवर्ष में 2070 तक कार्बन तटस्थता तक पहुंचाने में राजस्थान प्रदेश की अग्रिम भूमिका को देखते हुए राजस्थान को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में मिशन 'हरियालो राजस्थान' की महता को देखते हुए इसके व्यापक क्रियान्वयन हेतु व्यापक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर जिले को 66 लाख 82 हजार 538 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है जिसमें से 45.64 लाख पौध जिले की विभिन्न नर्सरियों में तैयार की गई हैं। शेष पौधों की व्यवस्था निजी स्तर पर की जाएगी। जिला कलक्टर ने बताया कि पौधारोपण कार्य हेतु संबंधित विभागों द्वारा लक्ष्यानुसार गड्ढे खोदने के कार्य किया जा चुका है।उन्होंने बताया कि पौधारोपण कार्य में पूर्ण पारदर्शिता के लिए हरियालो राजस्थान मोबाइल एप के माध्यम से जियोटैगिंग की जायेगी। उन्होंने बताया कि साथ ही गत वर्ष में किए गए पौधारोपण की रि-जियो टैगिंग कर जीवितता भी अपडेट की जाएगी। जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्थान जैसे मरूप्रदेश जहाँ आदिकाल से पानी की कमी रही है वहाँ जल संरक्षण का कार्य अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है। राजस्थान भूजल विभाग द्वारा 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान का संचालन वर्षाजल की एक-एक बूँद का संरक्षण, संवर्धन व जल पुनर्भरण संरचनाओं का जनसहभागिता से निर्माण कर राज्य में गिरते भूजल स्तर को रोकने के साथ -साथ आमजन को जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन करने के लिए किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 125 संरचनाओं के लक्ष्य के विरूद्ध 254 रिचार्ज स्ट्रक्चरों का निर्माण किया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 में 125 संरचनाओं के विरूद्ध 741 रिचार्ज स्ट्रक्चरों का निर्माण आज दिनांक तक किया जा चुका है। जिला कलक्टर ने रीको सहित सभी विभागों को अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन हेतु संरचनाओं का निर्माण करने हेतु निर्देशित किया है। इस दौरान जिला कलक्टर ने सीएमओ, जनसुनवाई व संपर्क पोर्टल पर दर्ज जिले से संबंधित सभी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से पूर्ण संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने के निर्देश

## बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में भूमि आवंटन संबंधी लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश - मुख्य सचिव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है तथा भूमि आवंटन से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में भूमि उपलब्धता अथवा अन्य कारणों से बाधाएं आ रही हैं, वहां वैकल्पिक भूमि की संभावनाओं का परीक्षण कर त्वरित प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं ताकि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने में अनावश्यक विलम्ब न हो। शनिवार को सचिवालय में आयोजित राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की बैठक में मुख्य सचिव ने भूमि आवंटन से संबंधित बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों की स्थिति का विस्तृत अवलोकन करते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ लंबित मामलों का निराकरण करें तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि कई मामलों में सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं होने अथवा उपयुक्त भूमि चिन्हित नहीं होने के कारण प्रक्रियाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे मामलों में व्यवहारिक एवं विधिसम्मत विकल्पों पर कार्य करते हुए समाधान तलाशा जाए। उन्होंने जिला स्तर पर भी लंबित प्रकरणों की सतत समीक्षा करने तथा आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2024-25, 2025-26 तथा 2026-27 की बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में मामलों में भूमि आवंटन की कार्रवाई पूर्ण की जा चुकी है तथा शेष प्रकरणों में आवश्यक प्रक्रियाएं प्रगतिरत हैं। विभागवार एवं जिलावार लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। बैठक में राजस्व,उपनिवेशन सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, समस्त जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में मौजूद रहे ।

## जोधपुर में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने ली अपराध समीक्षा बैठक; अपराधियों की संपत्ति जब्त करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के दिए निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

हानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जोधपुर रेंज कार्यालय में रेंज स्तरीय अपराध समीक्षा तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस सत्येन्द्र सिंह सहित जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, बालोतरा, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, सिरोही और जालौर जिलों के पुलिस अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। बैठक में रेंज की भौगोलिक स्थिति और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा की गई। महानिदेशक पुलिस शर्मा ने रेंज में हुए हालिया अपराधों की गहन समीक्षा की और कानून व्यवस्था को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संगठित अपराधियों के विरुद्ध अधिक से अधिक सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से ड्रग माफिया और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के पूरे नेटवर्क का खुलासा करने, उनके मुखियाओं के विरुद्ध प्रभावी विधिक कार्यवाही करने तथा तस्करी की काली कमाई से अर्जित उनकी संपत्तियों को जब्त करवाने जैसी कठोर कार्यवाही अमल में लाने के लिए जिला कप्तानों को पाबंद किया। बैठक के दौरान कानून व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा पर भी विशेष मंथन हुआ। डीजीपी ने महिला सुरक्षा की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं, बालकों एवं कमजोर वर्ग के खिलाफ होने वाले अपराधों में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने और पुलिस मुख्यालय स्तर से वर्तमान में चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों का क्रियान्वयन सजगता से करने पर विशेष बल दिया। जोधपुर रेंज के कई जिलों की सीमाएं अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर से सटी होने के कारण महानिदेशक ने सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरी सतर्कता बरतते हुए सीमावर्ती इलाकों में पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। इन क्षेत्रों मे कम्युनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देकर अपराधियों, अवैध गतिविधियों और अवैध घुसपैठ पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। बैठक के समापन पर डीजीपी शर्मा ने सभी अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि देश में लागू हुए नवीन आपराधिक कानूनों में पुलिस को कई विशेष और प्रभावी प्रावधान दिए गए हैं। अधिकारी इन नए कानूनी प्रावधानों का कड़ाई और बुद्धिमत्ता से प्रयोग करें, ताकि राजस्थान पुलिस का मूल ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय धरातल पर पूरी तरह सार्थक हो सके।

# विभिन्न विभागों की लंबित एवं प्रक्रियाधीन भर्तियों की प्रगति की समीक्षा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 में घोषित भर्ती कैलेंडर की प्रक्रिया निर्धारित लक्ष्य के अनुसार आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार युवाओं को अधिकाधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विभागों को भर्ती प्रक्रियाओं से संबंधित प्रशासनिक, वित्तीय, नियम संशोधन तथा अन्य आवश्यक कार्यवाहियों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग, कार्मिक विभाग, संबंधित विभागों तथा भर्ती एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखा जाए ताकि भर्ती प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब नहीं हो। मुख्य सचिव ने शनिवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि विभिन्न विभाग भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रहे हैं। गृह विभाग की उप निरीक्षक एवं कांस्टेबल भर्ती, प्रशासनिक सुधार विभाग की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती, स्वायत्त शासन विभाग की सफाई कर्मचारी भर्ती, पंचायतीराज विभाग की ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की सपोर्ट इंजीनियर भर्ती, शिक्षा विभाग की शिक्षकीय एवं अन्य पदों पर भर्ती तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संवर्ग की भर्तियों की विभागवार समीक्षा की। प्रशासनिक सुधार विभाग के अधिकारी ने अवगत कराया कि 53 हजार 749 पदों पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती की प्रक्रिया संचालित है जिसमें दिव्यांग श्रेणी, खेल प्रमाण पत्रों एवं चिकित्सा जांच की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है जिसे शीघ्र पूर्ण कर ली जायेगी। स्वायत्त शासन विभाग के सचिव ने अवगत कराया कि 24 हजार 793 सफाई कर्मचारी पदों पर भर्ती हेतु प्रक्रिया निर्धारण की कार्यवाही अनुमोदन स्तर पर है। भर्ती समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जायेगी। आयोग के अधिकारी ने अवगत कराया कि गृह विभाग के उप निरीक्षक के 61 पदों की वृद्धि होने के फलस्वरूप पूर्व में विज्ञापित 1015 के स्थान पर अब 1076 पदों पर शारीरिक दक्षता परीक्षण हेतु परीक्षा परिणाम जारी किया जायेगा। भर्ती कैलेंडर में दर्शाये गए कॉन्स्टेबल के 4000 पदों के विरूद्ध अब 6000 पदों पर भर्ती की कार्यवाही सम्पादित की जायेगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी ने बताया कि 3000 सपोर्ट इंजीनियर व अन्य पदों की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। भर्ती की कार्यवाही शीघ्र सम्पादित करवाई जायेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने अवगत कराया कि 600 चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पदों की अर्थना शीघ्र संबंधित भर्ती एजेंसी को प्रेषित कर दी जायेगी। 2 हजार नर्सिंग एवं पैरामेडिकल पदों पर भर्ती नियमों में संषोधन के पश्चात् समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर ली जायेगी। शिक्षा विभाग में विभिन्न श्रेणियों के 10 हजार पदों को विभाग में चल रही पूर्व से प्रक्रियाधीन भर्तियों में विभाग से प्राप्त अतिरिक्त रिक्त पदों को शामिल कर भर्ती की कार्यवाही चल रही है

## रिपोर्ट में दावा: तिब्बत पर चीन की पकड़ और मजबूत, मानवाधिकार हनन बढ़ने का दावा; तिब्बती भाषा और धर्म पर संकट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धर्मशाला

तिब्बती मानवाधिकार और लोकतंत्र केंद्र (टीसीएचआरडी) ने दो नई रिपोर्ट जारी करके बताया कि 2025 में तिब्बत में मानवाधिकारों की स्थिति और भी गंभीर हो गई, क्योंकि चीन ने यहां अपना नियंत्रण और सख्त कर दिया है। चीनी अधिकारियों ने इस क्षेत्र पर राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण मजबूत करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। टीसीएचआरडी की बृहस्पतिवार को तिब्बत में मानवाधिकार स्थिति पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025 और धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट (2012-2025) जारी की। इसमें में कहा गया है, चीन की नीतियां तिब्बती सांस्कृतिक, धार्मिक और नागरिक स्वतंत्रता के लिए लगातार खतरा बन रही हैं। बीते वर्ष यहां पर दमनकारी गतिविधियां और बढ़ीं जिसमें मंदारिन भाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देने वाली नीतियां भी शामिल है। टीसीएचआरडी की कार्यकारी निदेशक तेनजिन दावा ने बताया कि चीन की ओर से हाल में लागू किए गए शिक्षा कानून के तहत प्रारंभिक शिक्षा में पुतोंगहुआ (चीन की मानक मंदारिन भाषा) का उपयोग बढ़ा, जिससे तिब्बती भाषा की शिक्षा और भी हाशिए पर चली गई है। आलोचकों का कहना है यह नीति व्यापक रणनीति का हिस्सा है जो तिब्बती संस्कृति और विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में बाधक है। रिपोर्ट में शांतिपूर्ण सभाओं पर बढ़ते प्रतिबंधों का भी उल्लेख किया गया है। खनन परियोजनाओं और बड़े पैमाने पर अवसंरचना विकास के विरोध में प्रदर्शन कर रहे तिब्बतियों को कथित तौर पर गिरफ्तारी, धमकी, निगरानी और अन्य दंडात्मक उपायों का सामना करना पड़ा है। बताया जाता है कि पर्यावरण के लिए हानिकारक मानी जाने वाली परियोजनाओं का विरोध करने वाले पूरे समुदायों को सामूहिक दंड का सामना करना पड़ा है। टीसीएचआरडी ने रिपोर्ट में चिंता जताई है कि विदेशों में रहने वाले तिब्बती कार्यकर्ताओं और धार्मिक हस्तियों के खिलाफ दमन चक्र जारी है। रिपोर्ट में तिब्बती धार्मिक नेता तुलकु हुंगकर दोरजे की कथित तौर पर न्यायेतर हत्या का जिक्र किया है जिन्हें वियतनाम में एक अभियान के दौरान हिरासत में लिया गया था। धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट तिब्बती बौद्ध धर्म पर राज्य के बढ़ते नियंत्रण का और अधिक विस्तार से वर्णन करती है। इसके मुताबिक, तिब्बती बौद्ध मठों को नियंत्रित करने वाले संशोधित नियम जनवरी 2025 से लागू हुए जिसके तहत धार्मिक संस्थानों और भिक्षुओं को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व का समर्थन करने पर बाध्य किया जाता है।

## सुनामी में बदला तृणमूल का संकटः अब संसदीय दल में टूट तय, ममता की बैठक से सांसद-विधायकों की दूरी; उठे कई सवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

चुनावी हार के बाद विधायक दल में टूट के बाद अब तृणमूल के संसदीय दल में टूट तय है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी चौतरफा संकट में हैं। शुक्रवार को उनकी ओर से बुलाई गई सांसदों-विधायकों की बैठक में तृणमूल के अस्तित्व को लेकर यक्ष प्रश्न खड़ा हो गया। बैठक में पार्टी के 41 सांसदों में से महज छह पहुंचे। इतना ही नहीं, हालिया घटनाक्रम में विधायकों के विरोधी गुट से दूर रहने वाले 21 में से महज 8 विधायकों की हाजिरी लगी। अहम तथ्य यह है कि बैठक में पहुंचने वाले मुस्लिम विधायकों में फिरहाद हकीम के रूप में इकलौते विधायक और संसदीय दल में सभी छह मुस्लिम सांसदों की अनुपस्थिति संकट का इशारा है। गौरतलब है कि ऋतब्रता बनर्जी के अगुवाई में जब विधायक दल में फूट पड़ी तो इसमें टीएमसी के जीते 31 मुस्लिम विधायकों में 17 विधायक शामिल थे। शुक्रवार की बैठक में बाकी बचे 14 मुस्लिम विधायकों में उपस्थित इकलौते फिरहाद हकीम बृहस्पतिवार को ही कोलकाता मेयर पद से इस्तीफा दे चुके हैं। चुनावी हार के बाद तृणमूल में जारी उथल पुथल दरअसल पार्टी नेताओं में भविष्य के लिए उपजा हुआ भय है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि तृणमूल से दूरी बनाने वाले सभी नेताओं की इच्छा पार्टी में शामिल होने की है। यह भविष्य के संकट के साथ भविष्य में जांच का सामना करने की बन रही स्थिति से उपजा भय है। इनमें से ज्यादातर नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले हैं। इसलिए पार्टी नेतृत्व तत्काल निर्णय करने से बच रहा है। विधानसभा चुनाव प्रचार में पार्टी का चेहरा बनी सायानी घोष, मोहुआ मोइत्रा ने भी बैठक से दूरी बनाई। संकेत साफ हैं कि संसदीय दल का बड़ा हिस्सा भी विधायक दल की तरह विरोधी गुट से हाथ मिला लेगा। बैठक में सांसदों में अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी, माला रॉय, सुदीप बंदोपाध्याय, डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेना ही शामिल हुए। टीएमसी में मची उथल पुथल और मंत्रियों के विभागों में बंटवारे के बाद राज्य के सीएम शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर उन्होंने भावी रणनीति पर चर्चा की। दरअसल टीएमसी में टूट को ले कर भाजपा असमंजस में है। रणनीति यह है कि विरोधी गुट एनसीपी, शिवसेना की तरह पार्टी पर अधिकार जमाए। दरअसल पार्टी के एक धड़े को लगता है कि भाजपा में विलय या टीएमसी के अस्तित्व खत्म होने पर राज्य में वाम मोर्चा का उभार होगा जो भविष्य में पार्टी के लिए चुनौती बन सकती है। ममता ने अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव पद पर बरकरार रखा है। पूर्व मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। डोला सेन और डेरेक ओब्रायन को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव बनाया है।

## नीट पेपर लीकः शरद पवार का बड़ा बयान, कहा- कृत्रिम बुद्धिमत्ता से रुकती धांधली; तंत्र में बदलाव बेहद जरूरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पुणे

देश में नीट परीक्षा को लेकर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने इस संकट को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। पुणे में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान पवार ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) के संचालन में यदि तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सही समय पर इस्तेमाल किया गया होता, तो आज यह स्थिति पैदा ही नहीं होती। शरद पवार ने कहा कि इस पूरे घोटाले को तकनीक की मदद से रोका जा सकता था। जब उनसे पूछा गया कि क्या एआई के उपयोग से नीट घोटाला टल सकता था, तो उन्होंने जवाब दिया कि अगर यह काम पहले ही कर लिया गया होता, तो आज देश के सामने यह नौबत ही नहीं आती। पवार ने एआई को लेकर कहा कि आज कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, हर क्षेत्र में इसके जरिए बड़े बदलाव आ रहे हैं। हमें हर क्षेत्र में एआई को अपनाने के प्रयास तेज करने चाहिए। एनटीए के मौजूदा घटनाक्रम पर बात करते हुए शरद पवार ने किसी का नाम लिए बिना एक वरिष्ठ अधिकारी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर इस मामले को संभालने की जिम्मेदारी जिस व्यक्ति को सौंपी गई है, वह अतीत में उनके साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अगले दो महीनों के भीतर उनके काम के परिणाम सबके सामने दिखने लगेंगे। बता दें कि तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को रद्द कर दिया गया था। इस मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है, जिसने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

# चार्जशीट के दस्तावेजों तक आरोपी की पहुंच रोकी नहीं जा सकती', सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बनने वाले दस्तावेजों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे दस्तावेजों को छिपाना आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। यह फैसला जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने सुनाया। पीठ ने सेवानिवृत्त मेजर जनरल वीके सिंह को कुछ अत्यधिक गोपनीय दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मेजर जनरल वीके सिंह 1923 के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत 2007 में दर्ज एक मामले में अभियोजन का सामना कर रहे हैं। पीठ ने गौर किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यह नहीं कहा है कि सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेज मुकदमे के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। अभियोजन पक्ष की एकमात्र आपत्ति यह थी कि ये दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से अत्यधिक गोपनीय हैं। इसके साथ ही अगर इनकी प्रतियां दी गईं, तो उनके सार्वजनिक डोमेन में आने की संभावना है। अदालत ने कहा, 'यह एक सुस्थापित कानून है कि किसी भी आरोपी को चार्जशीट का हिस्सा बनने वाले दस्तावेजों, जिनमें सामान्य डायरी के रिकॉर्ड भी शामिल हैं, तक पहुंच से नहीं रोका जा सकता है। अगर ऐसे दस्तावेज सद्भावना से प्राप्त किए गए हों, अभियोजन के मामले के लिए प्रासंगिक हों, और लोक अभियोजक द्वारा न्याय और निष्पक्ष सुनवाई के हित में उनका खुलासा आवश्यक माना गया हो।' पीठ ने आगे कहा, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसे दस्तावेजों को छिपाने से आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।' शीर्ष अदालत ने यह आदेश सिंह की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर के दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने एक ट्रायल कोर्ट के दिसंबर 2009 के आदेश को संशोधित किया था, जिसमें अभियोजन पक्ष को सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। सिंह ने ट्रायल कोर्ट में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 207 के तहत एक आवेदन दायर कर अभियोजन पक्ष को कुछ ऐसे दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की थी, जो चार्जशीट का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें नहीं दिए गए थे। सीआरपीसी की धारा 207 आरोपी को पुलिस रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों की प्रति उपलब्ध कराने से संबंधित है। याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा, 'हमारी राय में, चार्जशीट का हिस्सा होने और उनके खिलाफ इस्तेमाल किए जाने के कारण, उक्त दस्तावेजों को वादी (सिंह) को उपलब्ध कराया जाना चाहिए।' पीठ ने यह भी कहा कि आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार के हितों को संतुलित करने के लिए, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का एक महत्वपूर्ण पहलू है। राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के साथ, उन्होंने सीबीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले विधि अधिकारी से एक न्यायसंगत प्रस्ताव के साथ आने को कहा था। सुनवाई के दौरान विधि अधिकारी ने प्रस्तुत किया कि वे उन दस्तावेजों की एक टाइप की हुई प्रति देंगे, लेकिन इस शर्त के साथ कि सिंह उनका इस्तेमाल केवल अदालत की कार्यवाही के उद्देश्य से कर सकते हैं। दस्तावेजों को किसी भी तरह से प्रसारित नहीं किया जाएगा, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक या प्रिंट मीडिया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से।

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की जीडीपी वृद्धि को मजबूती का प्रतीक बताया, मोदी के नेतृत्व को सराहा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'ऐसे समय में जब कई देश आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी और चौथी तिमाही में यह रफ्तार बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है।' इस दौरान, रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास के साथ-साथ स्थिरता, आत्मविश्वास, टिकाऊपन और विश्वसनीयता को भी आगे बढ़ाया है। राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता पर उनका ध्यान और अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियों के बीच देश को सही दिशा देने की उनकी क्षमता ने भारत को एक आत्मविश्वासी, मजबूत और दुनिया भर में सम्मान पाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।' राजनाथ सिंह ने आगे लिखा, 'जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' के विजन की ओर बढ़ रहा है। विकास की यह शानदार कहानी नए अवसर पैदा कर रही है। 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों को मजबूत कर रही है।' इससे पहले, केंद्रीय गृह अमित शाह ने जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर प्रसन्नता जताई। अमित शाह ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए दूरदर्शी आर्थिक सुधार देश में आर्थिक समृद्धि को निरंतर गति दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ऐसे समय में जब विश्व आर्थिक संकटों से जूझ रहा है, भारत की 7.7 प्रतिशत की विकास दर और सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए उसका प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि पिछले 12 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था ने कितनी मजबूती हासिल की है। चाहे महामारी का दौर हो या युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियां, मोदी जी की दूरदर्शी नीतियां ही देश को हर संकट से सुरक्षित रूप से पार ले जा रही हैं।'

## छह घंटे में सिलीगुड़ी से दिल्ली, पश्चिम बंगाल को मिलेगी बुलेट ट्रेन की सौगात- रेल मंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को राज्य के लिए कई बड़े रेल परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली-वाराणसी-पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रही है। इसके पूरा होने के बाद दिल्ली से सिलीगुड़ी की यात्रा करीब छह घंटे में संभव हो सकेगी। रेल मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति दी जा रही है। उनके अनुसार राज्य में 102 नए अमृत भारत स्टेशनों का विकास किया जाएगा, जिनमें से 10 स्टेशनों का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि बंगाल में पहले से नौ वंदे भारत एक्सप्रेस और 13 अमृत भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं तथा वंदे भारत स्लीपर सेवा की शुरुआत भी सबसे पहले इसी राज्य से हुई थी। कोलकाता मेट्रो के विस्तार का उल्लेख करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि शहर के लिए 60 नई नेक्स्ट जेनरेशन मेट्रो ट्रेनें लाई जाएंगी। इसके अलावा डानकुनी से सूरत तक पूर्व-पश्चिम फ्रेट कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिससे माल परिवहन को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में रेलवे नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। रेल मंत्री ने राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए बढ़े केंद्रीय आवंटन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के समय पश्चिम बंगाल को रेलवे के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये मिलते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह राशि बढ़कर 14,205 करोड़ रुपये हो गई है। उनके अनुसार अब अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं का समाधान होने लगा है, जिससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। इस दौरान अश्विनी वैष्णव ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर रेलवे परियोजनाओं में सहयोग नहीं करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले राज्य सरकार के कारण कई विकास कार्य बाधित रहे, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने से केंद्र और राज्य मिलकर परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

## राज्यसभा चुनावः विपक्ष में असंतोष से भाजपा की झारखंड और मप्र में जगी उम्मीद, नटराजन को लेकर नाराजगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राज्यसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में कांग्रेस और झारखंड में झामुमो-कांग्रेस के बीच जारी खींचतान में भाजपा को अपने लिए नई उम्मीद नजर आ रही है। मध्यप्रदेश में जहां कांग्रेस में बाहरी मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाने से असंतोष है, वहीं सहमति के बिना कांग्रेस के झारखंड में उम्मीदवार घोषित करने से झामुमो नाराज है। इस स्थिति से खुश भाजपा जरूरी संख्याबल की कमी के बावजूद झारखंड में एक और मप्र में तीसरा उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। दरअसल मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम दिग्विजय की ना के बाद दूसरे पूर्व सीएम कलमनाथ को उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी। हालांकि बृहस्पतिवार को जारी सूची में पार्टी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की करीबी और तेलंगाना की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन का नाम था। सूची जारी होने के बाद कांग्रेस में असंतोष है और यह असंतोष पिछले चुनाव की तरह ही क्रॉस वोटिंग का कारण बन सकता है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कमलनाथ को राज्यसभा टिकट नहीं मिलने से छिंदवाड़ा क्षेत्र के पांच कांग्रेस विधायकों को झटका लगा है। उन्हें उम्मीद थी कि पार्टी पूर्व सीएम को उम्मीदवार बनाएगी। ऐसे में अब इन विधायकों का रुख क्या रहता है, इस पर सभी की नजरें है। हालांकि असंतोष की भनक के बाद सतर्क कांग्रेस नेतृत्व ने शनिवार को विधायकों की बैठक बुलाई है। बिहार, हरियाणा और ओडिशा जैसे राज्यों में क्रॉस वोटिंग का नुकसान झेल चुकी पार्टी इस बार मध्य प्रदेश में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। यही वजह है कि हाल ही में हाईकमान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व ने साफ संदेश दिया है कि क्रॉस वोटिंग की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। राज्य में दो सीटों पर चुनाव है। यहां एक सीट के लिए प्रथम वरीयता के 28 मतों की जरूरत है। विपक्षी गठबंधन के पास दो सीट जीतने के लिए ठीक 56 मत हैं। जबकि भाजपा के पास 24 मत हैं। यहां झामुमो बिना चर्चा के कांग्रेस के उम्मीदवार उतारने से नाराज है। सीएम हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को विधायकों की बैठक् बुलाई, जिसमें एक सुर में दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारने की मांग की गई। चूंकि कांग्रेस के पास महज 16 विधायक हैं, ऐसे में उसे 12 मत हासिल करने के लिए सहयोगियों का समर्थन चाहिए।

## विधानपरिषद चुनावों से पहले सुप्रिया सुले का बड़ा एलान, खरीद-फरोख्त पर रोक के लिए लाएंगी विधेयक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि वह संसद में एक विधेयक पेश करेंगी, जिसमें उन चुनावों में अधिक पारदर्शिता लाने की मांग की जाएगी, जहां खरीद-फरोख्त के आरोप लगते हैं। उनका यह बयान महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों से पहले उम्मीदवारों को प्रलोभन देने और दबाव बनाने के आरोपों के बीच आया है। उन्होंने कहा कि या तो मौजूदा स्वरूप में ऐसे चुनाव बंद कर दिए जाने चाहिए या फिर उनमें खुले मतदान की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सुले ने कहा, मैं चुनाव प्रक्रिया में संरचनात्मक बदलाव के लिए संसद में एक विधेयक पेश करूंगी। चुनावों में खरीद-फरोख्त के आरोप बंद होने चाहिए। सरपंच से लेकर लोकसभा तक सभी चुनाव पारदर्शी होने चाहिए। 18 जून को होने वाले विधान परिषद की 16 सीटों के चुनाव से पहले महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के कुछ उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए थे। सुप्रिया सुले ने इस फैसले का समर्थन किया। सुले ने कहा, सभी सहयोगी दलों के नेताओं से चर्चा के बाद यह फैसला सामूहिक रूप से लिया गया था। खरीद-फरोख्त की आशंकाओं को लेकर व्यापक चिंता थी। हर जगह खरीद-फरोख्त की चर्चाएं हो रही थीं। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से पहले हुई बैठकों में एनसीपी (शरद पवार), कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता मौजूद थे। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की आलोचना पर सुप्रिया सुले ने कहा कि हर क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति अलग होती है। उन्होंने पूछा कि क्या राजनीतिक दलों को खरीद-फरोख्त करने देनी चाहिए। चुनावी सुधारों की अपनी योजना की घोषणा करते हुए बारामती सांसद ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से संसद में एक विधेयक लाएंगी, ताकि अप्रत्यक्ष चुनावों में बार-बार लगने वाले खरीद-फरोख्त के आरोपों का समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा, एक नागरिक और जनप्रतिनिधि के रूप में मैं यह विधेयक पेश करूंगी। ऐसे चुनावों में खरीद-फरोख्त के आरोप बंद होने चाहिए।

## कर्नाटक सरकार में टला बड़ा संकट?

# रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा विवाद सुलझा, शिवकुमार बोले- सब कुछ ठीक हो गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक की नई कांग्रेस सरकार बनने के तीन दिन के भीतर पैदा हुआ पहला बड़ा राजनीतिक संकट फिलहाल टल गया है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा के बाद मचे सियासी घमासान को मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने देर रात हुई लंबी बैठक के बाद शांत कर दिया। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि यह परिवार का मामला था और अब सब कुछ सुलझा लिया गया है। विभागों के बंटवारे को लेकर नाराज चल रहे रामलिंगा रेड्डी ने भी संकेत दिए कि विवाद खत्म हो चुका है। इस पूरे घटनाक्रम ने कर्नाटक कांग्रेस के भीतर की खींचतान को जरूर उजागर कर दिया। रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया था। उनकी नाराजगी विभागों के बंटवारे को लेकर थी। रेड्डी का दावा था कि उन्हें बंगलूरू विकास विभाग देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जल संसाधन विभाग सौंप दिया गया। इसके बाद उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। कांग्रेस सरकार बनने के तुरंत बाद सामने आई इस नाराजगी ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि अगर मामला नहीं सुलझता तो सरकार के भीतर असंतोष और बढ़ सकता था। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार शुक्रवार देर रात जयनगर स्थित एक निजी होटल पहुंचे, जहां उन्होंने करीब ढाई घंटे तक रामलिंगा रेड्डी से बातचीत की। बैठक देर रात से लेकर शनिवार तड़के तक चली। इसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और रेड्डी के करीबी लोग भी शामिल रहे। बैठक के बाद शिवकुमार ने मीडिया से कहा कि यह परिवार का मामला था और अब सब कुछ ठीक हो गया है। उन्होंने कहा कि विभागों के बंटवारे में गलतफहमी हुई थी, जिसे बातचीत से सुलझा लिया गया है। शिवकुमार ने भरोसा जताया कि सरकार एकजुट होकर आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि वह और रामलिंगा रेड्डी 1980 से दोस्त हैं और दोनों के बीच मजबूत राजनीतिक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं को सम्मान और अवसर दिया गया है तथा आगे भी सब कुछ संतुलित तरीके से चलाया जाएगा। वहीं रामलिंगा रेड्डी ने भी विवाद खत्म होने के संकेत दिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस्तीफा वापस लेंगे, तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मुख्यमंत्री ने जो कहा है, वही सही है और सब कुछ सुलझ गया है। इससे साफ संकेत मिला कि कांग्रेस नेतृत्व ने फिलहाल संकट को टाल दिया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा